सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

संस्कृति मंत्रालय

(भारत सरकार)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

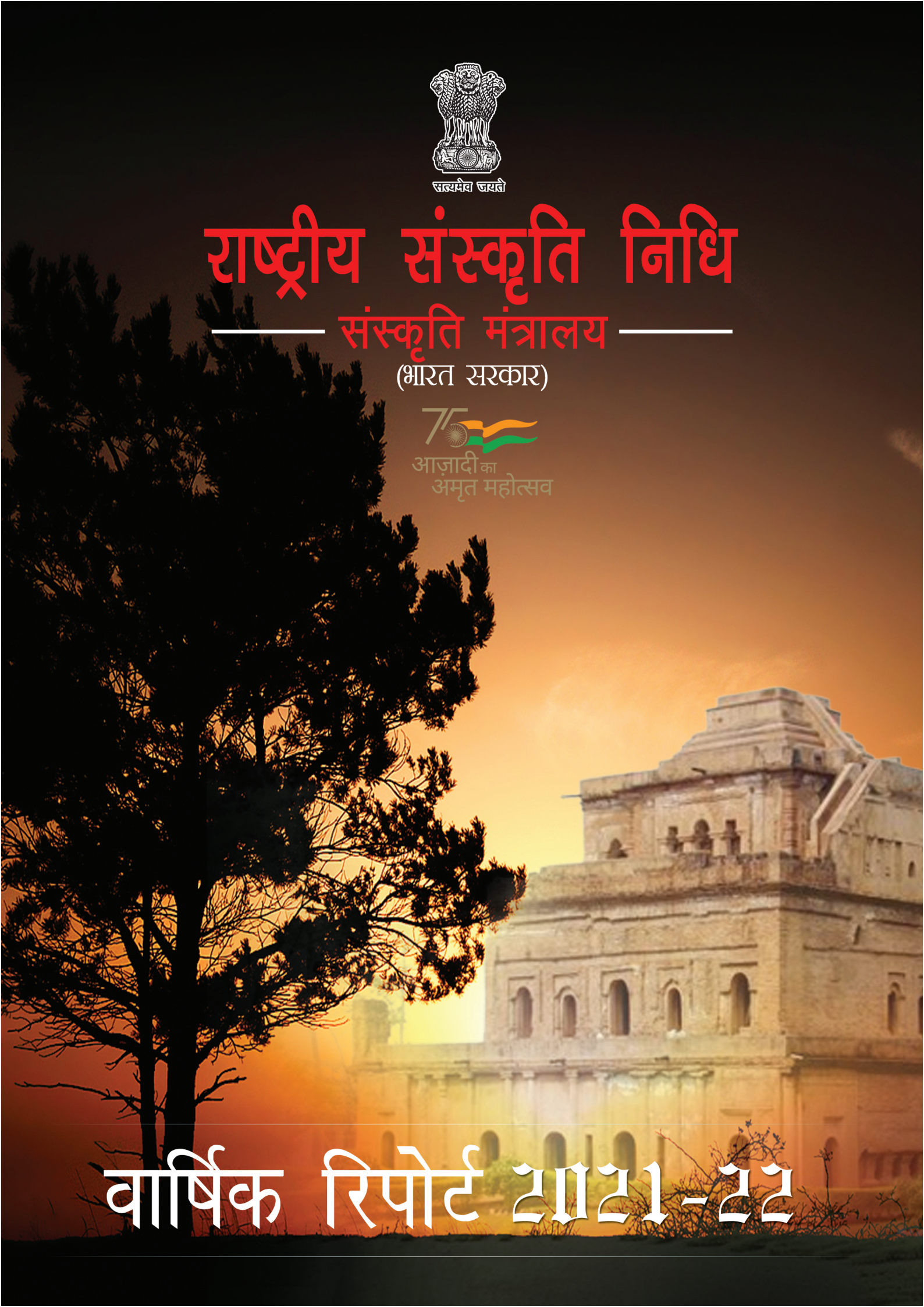

वार्षिक रिपोर्ट २०२१-२२

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

संस्कृति मंत्रालय

(भारत सरकार)

रंगघर खंडहर, अहोम

वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखे

वर्ष 2021–22 के लिए

अहोम योद्धाएं

विषय सूची

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि का परिचय 3

2) दानकर्ताओं को लाभ 5

3) राष्ट्रीय संस्कृति निधि के उद्देश्य : 5

4) प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना 6

5) 2021–22 की मुख्य विशेषताए 8

5.1 2021–22 के दौरान कार्यकारी समिति की बैठक 8

5.2 कॉर्पस निधि 8

5.3 वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना 8

5.4 2021–22 में पूर्ण परियोजनाएं 8

(क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ–खजुराहो मंदिर समूह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास 8

(ख) एएसआई–एनसीएफ–सोनी–सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, उत्तर प्रदेश का उन्नयन 9

(ग) ए एस आई–एन सी एफ– एससीयूआरएफ– श्री भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण, पुनर्स्थापन, अनुरक्षण एवं दर्शक सुविधाओं का प्रावधान 10

5.5 2021–22 में एनसीएफ की नई पहलें 11

(क) ए एस आई–एन सी एफ–आईओसी–आईओएफ – काला अम्ब, पानीपत में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 11

(ख) एसबीआई–एनसीएफ–आईजीएनसीए–एल–1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र का विकास 12

6) चालू परियोजनाएं : 2021–22 13

6.1) परियोजनाओं की सूची 13

6.2) चालू परियोजनाओं का ब्योरा 16

(क) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण 16

(ख) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ के अंतर्गत राष्ट्रीय स्मारकों का उन्नयन एवं अनुरक्षण 16

I) गोलकुंडा किला, हैदराबाद, तेलंगाना में फलक प्रदीप्तन 17

II) भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलोर, कर्नाटक 17

III) सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास 18

IV) लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन 18

V) अनंत शयन, भगवान विष्णु, धनकनल, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 19

VI) मन्सर, महाराष्ट्र के प्राचीन अवशेषों पर पर्यटक अवसंरचना सुविधाए 19

VII) मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं और प्रदीप्तन 20

VIII) सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलें, दमोह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं 20

(ग) राजा दिनकर केलकर संग्रहालय के नए भवन का संरक्षण 20

घ) लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण 21
ड.) लौरिया नंदनगढ़, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास 22
च) कृष्ण मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास 23
छ) हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार 24
ज) आलमबाज़ार मठ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का नवीकरण, पुनर्निर्माण 24
झ) इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर, कर्नाटक के बागों का पुनर्जीवन 25
ञ) विक्रमशिला विश्वविद्यालय, बिहार स्थित स्मारकों के समूह के परिवेश का संरक्षण एवं विकास 27
ट) प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास 28
ठ) अहोम स्मारक, असम का संरक्षण 28
ड) हजारद्वारी महल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन 29
ढ़) रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए डी पी आर की तैयारी 30
ण) पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग 31
त) नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी 32
थ) राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन 34
द) विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान परियोजना 34

7) लेखा परीक्षा रिपोर्ट 37

8) लेखा परीक्षक का रिपोर्ट 42

9) फॉर्म 10 43

10) तुलन पत्र 45

11) अनुसूची 24 एवं 25 73

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि का परिचय

राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) की स्थापना दिनांक 28 नवम्बर, 1996 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित गजट अधिसूचना के माध्यम से धर्मार्थ अक्षय निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत एक न्यास के रूप में भारत सरकार, संस्कृति विभाग (अब संस्कृति मंत्रालय) द्वारा की गई थी।

एन सी एफ की परिकल्पना संस्कृति से संबंधित प्रयासों के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी को बनाकर लोगों का बौद्धिक एवं वित्तीय, दोनों समर्थन प्राप्त करने की व्यवस्था के रूप में की गई थी।

भारत की संस्कृति सबसे पुरानी एवं अद्वितीय संस्कृतियों में से एक है। भारत में एक विस्मयकारी सांस्कृतिक विविधता है, जिसका परिणाम धर्म, भाषा, वास्तुकला, परम्परा एवं रीति–रिवाज की अद्वितीय बहुलता है। विविधतापूर्ण भारत की इस अद्वितीय विचार को आने वाले समय में बिना बिखरे और बिना बाधा के खिलने के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर प्रयास शुरू किया जाना है। भारत का संविधान निम्नलिखित शब्दों में सांस्कृतिक अधिकार की गारंटी देता है –

''भारत के क्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी वर्ग, जिसकी स्वयं की विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, को इसको संरक्षित करने का अधिकार है।''

हमारे संविधान में उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार ने हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं के रक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं।

यह अनुभव किया गया है कि संस्कृति पर खर्च व्यर्थ का खर्च नहीं है, वरन् मानव एवं सामाजिक विकास के लिए योगदान है। हमारे देश में भूतकालीन संस्कृति के वृहत् अवशेष को भारत में सांस्कृतिक वित्त पोषण के प्रतिमानों में उपयुक्त समायोजन एवं नवाचार द्वारा सर्वोत्तम तरीके से परिरक्षित किया जाना है। अतः कारपोरेट की सामाजिक जिम्मेवारी और हमारे विरासत संसाधनों की सततता के बीच संयोजन का पता लगाना महत्वपूर्ण हो गया है। चूंकि देश का लक्ष्य अपने विरासत संसाधनों को बनाए रखने का प्रयास है, कारपोरेट क्षेत्र धारणीय विरासत प्रबंधन और परिरक्षण की प्रक्रिया में एक भागीदार और प्रेरक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

सांस्कृतिक परिरक्षण के लिए सामाजिक मांग उपलब्ध सरकारी संसाधनों को पीछे छोड़ चुका है और अतः इसे सरकारी एजेंसियों का निजी एजेंसियों के साथ सक्रिय भागीदारी से पूरा किया जाना है।

उपयुक्त तथ्यों को देखते हुए भारत सरकार, संस्कृति विभाग (अब संस्कृति मंत्रालय) द्वारा 28 नवम्बर, 1996 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित राजपत्र अधिसूचना के जरिए धर्मार्थ अक्षय निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत एक न्यास के रूप में राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ) की स्थापना की गई थी।

एन सी एफ सांस्कृतिक निधियन का एक नवाचारी प्रतिमान है, जो संस्थानों एवं व्यक्तियों को भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन एवं परिरक्षण में उनकी सही भूमिका और वृहत पैमाने पर समाज एवं राष्ट्र की सांस्कृतिक आकांक्षाओं में वित्तीय सहयोग देने में समर्थ बनाता है।

सी एस आर के तहत् एन सी एफ के जरिए परियोजनाओं का वित्तपोषण इस बात की मान्यता देता है कि कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी केवल अनुपालन ही नहीं है, उन पहलों के समर्थन की प्रतिबद्धता है, जो प्रमुखतः राष्ट्रहित में पहलों को पर्याप्त रूप से सुधारता है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और कंपनी (कारपोरेट सामाजिक जिम्मेवारी नीति) नियम, 2014 के तहत् यथा अधिसूचित अनेक फोकस क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपदा के परिरक्षण के लिए सी एस आर वित्तपोषण को सी एस आर नीति के निम्नलिखित खंड में कवर किया जा सकता है –

''ऐतिहासिक महत्व के भवनों एवं स्थलों और कला वस्तुओं के परिरक्षण सहित राष्ट्रीय विरासत, कला एवं संस्कृति का रक्षण; सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना; परम्परागत कला एवं हस्तशिल्प का संवर्धन एवं विकास।''

एन सी एफ अपने संरक्षण के अंतर्गत अधिकृत कार्यकलापों के लिए भारतीय संसद और दानकर्ताओं के प्रति अंतर्निहित जिम्मेदारी में सम्मिलित है। व्यापक रूप में, एनसीएफ की परिकल्पना निगमित और सार्वजनिक क्षेत्र, गैर–सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों के साथ भागीदारी और सहभागिता में कार्य करने के लिए की गई है, जिससे वे मूर्त और अमूर्त संस्कृति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के संरक्षण, परिरक्षण और विकास के प्रति योगदान कर सकें।

इसके साथ–साथ एन सी एफ अंतर–विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने, नई वीथिकाओं एवं संग्रहालयों के सृजन और सांस्कृतिक कार्यकलापों में कौशल वर्धक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने/आयोजन करने का प्रयास कर रहा है।

इन विविध पहलों, कार्यक्रमों और विचारों के जरिए एन सी एफ भारत की संपन्न सांस्कृतिक संपदा (मूर्त और अमूर्त दोनों) के परिरक्षण, संरक्षण और अनुरक्षण के विशेष संदर्भ के साथ विरासत जागरूकता को बढ़ाना और इसका नेतृत्व करना चाहता है और भारत की विरासत के ज्ञान एवं प्रशंसा के प्रसार के लिए प्रयास कर रहा है।

2) दानकर्ताओं को लाभ

एन सी एफ के साथ भागीदारी के लिए आगे आने वाले दानकर्ता को जैसा कि नीचे उल्लिखित है, अनेक लाभ हैं :

1) राष्ट्रीय संस्कृति निधि हेतु दान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी (ii) के अंतर्गत 100 प्रतिशत कर छूट का पात्र है।

2) एनसीएफ आयकर छूट के लिए रसीद जारी करता है और दानों के उपयोग का विस्तृत लेखा देता है।

3) प्रत्येक परियोजना के खाते का विवरण एन सी एफ के खाते में समन्वित होता है, जिसका वार्षिक आधार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा की जाती है।

4) एनसीएफ के अंतर्गत दानकर्ता के लिए निधियन की किसी विशिष्ट पहलू और परियोजना के निष्पादन के लिए एक एजेंसी की पहचान सहित एक मूर्त या अमूर्त परियोजना या एक स्मारक की पहचान करना संभव है।

5) परियोजना को एक संयुक्त परियोजना कार्यान्वयन समिति (पी आई सी) के माध्यम से क्रियान्वित और मॉनीटर किया जाता है, जिसमें एन सी एफ, कार्यान्वयन एजेंसी और दानकर्त्ता का एक प्रतिनिधि हो।

6) प्रत्येक विकास स्थल पर पट्टिका लगाने का प्रावधान किया गया है जो दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं तथा भागीदारों के आभार को सुगम बनाता है।

7) प्रत्येक परियोजना के लिए एक अलग संयुक्त बैंक खाता होता है, जो एन सी एफ के प्रतिनिधि तथा दानदाता/निधियन एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा परिचालित होता है।

3) राष्ट्रीय संस्कृति निधि के उद्देश्य :

(क) संरक्षित स्मारकों या अन्य स्मारकों के संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, उन्नयन एवं विकास के लिए निधियां जुटाना एवं उसका उपयोग करना।

(ख) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासतों के पुनर्वास के लिए कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं पर अनुसंधान एवं अध्ययन शुरू करना।

(ग) सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में व्यावसायिकों एवं स्टाफ कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

(घ) कलात्मक प्रयत्नों के सभी स्वरूपों, विशेषकर कलाओं में नवाचारी प्रयोगों को संरक्षित करना एवं बढ़ावा देना।

(ङ.) विद्यमान संग्रहालयों में अतिरिक्त जगह बनाना तथा नवीन एवं विशिष्ट वीथिकाएं सृजित करने या समाहित करने हेतु नए संग्रहालय का निर्माण करना।

(च) समाज के सांस्कृतिक विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय, नगर–निकायों अथवा क्षेत्रीय स्तर पर रणनीतियां बनाना।

(छ) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संवर्धन एवं परिरक्षण में संलग्न संगठनों, सरकारी या गैर–सरकारी संस्थाओं को संसाधन उपलब्ध कराना।

(ज) भारत एवं अन्य देशों के बीच अनुबंधित सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के दायरे में स्वदेशी विशेषज्ञता और मानव संसाधन तथा कार्यकलापों के विकास हेतु अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(झ) विरासतों के संरक्षण के लिए परियोजनाओं या किसी अन्य गतिविधि के लिए कम ब्याज पर, यहां तक कि ब्याज रहित ऋण के लिए निधि उपलब्ध कराना।

4) प्रबंधन, प्रशासन एवं संरचना

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का प्रबंधन एक परिषद एवं कार्यकारी समिति के द्वारा किया जाता है। परिषद के अध्यक्ष माननीय संस्कृति मंत्री हैं। कार्यकारी समिति की अध्यक्षता सचिव, संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जाती है।

परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या पच्चीस की है, जिसमें अधिकतम उन्नीस प्रख्यात सदस्य निगमित एवं सार्वजनिक क्षेत्र, निजी प्रतिष्ठानों एवं गैर लाभकारी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं।

सामान्य परिषद/ईसी को दिनांक 16.03.2022 की अधिसूचना द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित किया गया है। पदेन और गैर–सरकारी सदस्यों की सूची नीचे दी गई है:–

परिषद		
1.	माननीय संस्कृति मंत्री	अध्यक्ष (पदेन)
2.	सचिव (संस्कृति)	सदस्य (पदेन)
3.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
4.	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
5.	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य सचिव (पदेन)
6.	उप सचिव/निदेशक, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
7.	श्री मिलिन्द कामले	सदस्य
8.	श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य
9.	श्री विशद पी. मफतलाल	सदस्य
10.	श्रीमती सुधा मूर्ति	सदस्य
11.	श्री पी. मुरली	सदस्य
12.	डॉ. चिन्मय पांड्या	सदस्य
13.	श्रीमती ऊर्वशी गांधी	सदस्य
14.	श्रीमती लखीमी बरूआ	सदस्य
15.	सुश्री शीला बालाजी	सदस्य
16.	डॉ. कल्पना सरोज	सदस्य
17.	श्रीमती वीणा सिकरी	सदस्य
18.	श्री सुधीर मेहता	सदस्य
19.	श्री जंगचुप चोईदेन	सदस्य
20.	श्री अनुराग सिंघई	सदस्य
21.	श्री जेर्री राव	सदस्य

कार्यकारी समिति		
1.	सचिव (संस्कृति)	अध्यक्ष (पदेन)
2.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)

3.	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
4.	महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	सदस्य (पदेन)
5.	उप सचिव/निदेशक , संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
6.	श्री हर्षवर्धन नियोटिया	सदस्य
7.	श्रीमती सुधा मूर्ति	सदस्य
8.	डॉ. कल्पना सरोज	सदस्य
9.	श्री सुधीर मेहता	सदस्य

5) 2021–22 की मुख्य विशेषताए

5.1 2021–22 के दौरान कार्यकारी समिति की बैठक

कार्यकारी समिति की 27वीं बैठक 12.04.2021 को हुई।

5.2 कॉर्पस निधि

31 मार्च, 2022 (वित्त वर्ष 2021–22) को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की वित्तीय स्थिति

31 मार्च, 2022 को एन सी एफ के पास उपलब्ध कुल राशि रु. 58.08 करोड़ है और इसमें शामिल है:

प्रारंभिक कॉर्पस	:	रु. 19.50 करोड़
द्वितीयक कॉर्पस	:	रु. 38.58 करोड
कुल कॉर्पस	:	रु. 58.08 करोड

5.3 वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना

वित्त वर्ष 2020–21 के लिए वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखे को राज्य सभा में 10/02/2022 को और लोक सभा में 11/02/2022 को रखा गया।

5.4 2021–22 में पूर्ण परियोजनाएं

(क) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ–खजुराहो मंदिर समूह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास

खजूराहो स्मारक समूह मध्य प्रदेश, भारत में हिन्दू और जैन मंदिरों का एक समूह है, जो जिला छत्तरपुर, म.प्र. में स्थित एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है। इन मंदिरों का निर्माण चंदेल राजवंश द्वारा 885 से 1050 ई. के बीच किया गया।

खजुराहो मंदिर समूह में निम्नलिखित कार्यों को पूरा किया गया –

पश्चिमी समूह मंदिर

1. मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग, मुख्य एवेन्यू, जलपान गृह
2. भूचित्रण एवं पगडंडी
3. टिकट काउंटर एवं प्रकाशन काउंटर भवन, श्रव्य–दृश्य सभागार के साथ विवेचन केंद्र, प्रदर्शन वीथिका
4. प्रसाधन प्रखंड, संकेतक और बैठने का स्थान
5. सुरक्षा केबिन वाले संशोधित चाहरदीवारी के साथ स्मारक का प्रवेश द्वार
6. परियोजना स्थल से लगे शिवसागर झील से गाद हटाना एवं इसका सौंदर्यीकरण

    क) पूर्वी मंदिर समूह – पार्किंग, भूचित्रण, बैटरी चालित वाहनों के लिए चौड़ी पगडंडी, टिकट काउंटर के साथ सुरक्षा केबिन, प्रसाधन खंड, संकेतक, पेयजल आदि

    ख) दक्षिणी समूह मंदिर – भूचित्रण, पगडंडी, सुरक्षा केबिन, संकेतक

कार्य 15/06/2021 को पूरा हो गया है।

दक्षिणी समूह–चतुर्भुज प्रवेश द्वार

दर्शक सुविधा केंद

(ख) एएसआई–एनसीएफ–सोनी–सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, उत्तर प्रदेश का उन्नयन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	:	**31/05/2017**
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–सोनी इंडिया प्रा. लि.
परियोजना विवरण	:	सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय का उन्नयन, वाराणसी (उ.प्र.) का उन्नयन (एनसीएफ– दानकर्ताओं के बीच 30.3.2016 का हस्ताक्षरित प्रक्षत्र संगम ज्ञापन के अंतर्गत)

सारनाथ संग्रहालय भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का सबसे पुराना स्थल संग्रहालय है। इसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा सारनाथ के पुरातत्वीय स्थल के निष्कर्षों एवं उत्खनित वस्तुओं का रखा गया है। सारनाथ उत्तर प्रदेश राज्य में वाराणसी के निकट स्थित है।

निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए : –

- सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षा व्यवस्था (अद्यतन एनविट प्रणाली के साथ उन्नत सी सी टी वी का संस्थापन)
- सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति
- संग्रहालय में गृह व्यवस्था कर्मचारी
- पेड़ों के नीचे दर्शकों के लिए बैठक प्लाज़ा को विकसित किया जाना है
- विवेचन केन्द्र का उन्नयन
- संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर गढ़ित शेड
- संग्रहालय परिसर में सुरक्षा को मजबूत करना

कार्य मई 2021 में पूरा हो गया है।

(ग) ए एस आई–एन सी एफ– एससीयूआरएफ– श्री भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण, पुनर्स्थापन, अनुरक्षण एवं दर्शक सुविधाओं का प्रावधान

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	:	29/04/2021 (दूसरे चरण के लिए)
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ– उत्तरादेवी चैरिटेबल एंड रिसर्च फाउंडेशन
परियोजना विवरण	:	श्री भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास

भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र के संरक्षण एवं विकास के लिए ए एस आई–एन सी एफ– उत्तरादेवी चैरिटेबल एंड रिसर्च फाउंडेशन के बीच दिनांक 26.03.2013 को हस्ताक्षरित प्रक्षत्र संगम ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। समझौता ज्ञापन के अनुशेष पर मंदिर के संरक्षण एवं विकास के दूसरे चरण के कार्य के लिए दिनांक 29.04.2021 को हस्ताक्षर किया गया। पहले चरण का कार्य 2019 में पूरा हो चुका है।

दूसरे चरण के लिए निम्नलिखित कार्य शुरू किए गए और जनवरी 2022 में पूर्ण हुए –

- सुखे ब्रश और सुबाह्य जल से शिखर के सतह की सफाई;
- मंदिर के रिसावदार छत से विकृत एवं क्षतिग्रस्त चूना कंक्रीट को हटाना;

- गचकारी के लिए सतह तैयार करने के लिए मूल संरचना के अनुसार दो या तीन परतों में 36 एमएम मोटा चूना प्लास्टर करना;
- क्षरित/विकृत गचकारी कार्य की मरम्मत;
- शिखर–।। के छूटे हुए सजावटी तत्वों का मरम्मत कार्य।

संरक्षण से पहले

संरक्षण के दौरान

परियोजना जनवरी 2022 में पूर्ण हुई।

5.5 2021–22 में एनसीएफ की नई पहलें

एन सी एफ का प्राथमिक अधिदेश भारतीय विरासत एवं संस्कृति के परिरक्षण के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) की स्थापना एवं पोषण है और इसको सुदृढ़ करने के लिए एन सी एफ ने विभिन्न संगठनों के साथ नई भागीदारी का पता लगाना जारी रखा है।

(क) ए एस आई–एन सी एफ–आईओसी–आईओएफ – काला अम्ब, पानीपत में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

एएसआई द्वारा परियोजना का अनुमोदन	:	**06/07/2021**
वित्तपोषक/भागीदार	:	.ए एस आई–एन सी एफ–आईओसी–आईओएफ
परियोजना विवरण	:	काला अम्ब, पानीपत में पर्यटक अवसंरचना सुविधाए

काला अम्ब पानीपत के पर्यटन में आश्चर्यजनक स्थानों में से एक है। काला अम्ब को भारतीय कालानुक्रम में इसके महत्व के कारण ऐतिहासिक स्थलों में ऊपर रखा गया है। काला अम्ब वहीं स्थान है, जहॉ मराठों और अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह दुर्रानी के बीच पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ी गई थी। मुख्य शहर से 4 कि.मी. दूर यह एक सुंदर स्थान है। यह 1992 के दौरान उदयसिनराव गायकवाड़ की आज्ञा से बनाया गया और इसे आकर्षण के भव्य स्थान में बदल दिया गया।

काला अम्ब, पानीपत

काला अम्ब, पानीपत

काला अम्ब स्मारक को छोटे टावर की तरह खंभे के आकार में बनाया गया और खंभे में शीर्ष पर एक छड़ को लंबवत् जाम किया गया। इस खंभे को लाल रंग के ईंट से बनाया गया है। नीचे से इसका आधार काफी बड़ा है और जैसे ही इसकी ऊँचाई बढ़ती है, इसकी परिधि घटती है। इस स्मारक को बलुआ पत्थर के सुदंर प्लेटफार्म पर बनाया गया है और लोहे के छड़ों से घेरा गया है।

(ख) एसबीआई–एनसीएफ–आईजीएनसीए–एल–1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र का विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	:	28.01.2022
वित्तपोषक/भागीदार	:	एसबीआई–एनसीएफ–आईजीएनसीए
परियोजना विवरण	:	एल–1 बैरक, लाल किला, दिल्ली में आत्मभारत डिजाइन केंद्र का विकास

परियोजना का उद्देश्य और कार्य क्षेत्र : एबीसीडी केंद्र पर जीआई शोकेस का समग्र दृष्टिकोण निम्न प्रकार से रचनात्मक सहयोगों की सेवा करनी है –

- भारत के सर्वाधिक अद्वितीय जीआई शिल्प और सारवान जीआई जो आत्मनिर्भर भारत के अनुकरणीय प्लेटफार्म का पात्र है, का प्रदर्शन करना।
- उनके परंपरागत कौशल एवं पद्धतियों के लिए भारत के सभी भागों से दुर्लभ एवं विलुप्त होने वाले शिल्पों का प्रदर्शन करना।
- लाभकारी सहयोगों के जरिए शिल्प अर्थव्यवस्था और संबंधित समुदाय को प्रेरणा देना।
- मास्टर शिल्पकारों, डिजाइनरों, उत्पादकों और खरीददारों के बीच रचनात्मक एवं संसाधानपूर्ण संपर्कों को सुकर करना।
- भारत की सर्जनात्मक अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए सर्जनात्मक सर्जनात्मक व्यक्तियों और समुदायों के एक नेटवर्क की स्थापना करना।
- अपनी खासियत के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात खुदरा बिक्री के लिए एक ब्रांड सृजित करना।
- भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए एक उत्पाद, प्रकाशन, प्रदर्शनी, निष्पादन या अनुभव को प्रेरित और सह–सृजित करना।

- स्पष्ट रूप से उच्चतर मूल्य की पेशकश करने वाले महत्वपूर्ण बाजारों के दोहन के लिए लागत प्रभावी एवं टिकाऊ प्रौद्योगिकी की शुरूआत करना।
- ऐसी पारिस्थितिकी सृजित करना, जो जीआई उत्पादों के कलाकारों, शिल्पकारों और उत्पादकों को चलायमान, परस्पर संवादात्मक, अनुभवकारी और सर्जनात्मक घटक के केंद्र में रखे।
- सहयोग और दवाबकारी सामाजिक और व्यापार चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए विभिन्न पणधारियों को एक साथ लाना।
- स्वदेशी भोजन, संगीत और नृत्य परंपराओं के आयोजन के लिए बहु–विषयक पहुँच को सुकर बनाना।
- जीआई कहानियों का सही अभिलेखन सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान एवं प्रलेखन का काम करना।
- जन पहुँच रणनीतियों के जरिए इन प्रदर्शों के मूल्य का प्रसार करना।

6) चालू परियोजनाएं : 2021–22

6.1) परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	परियोजना	एम ओ यू पर हस्ताक्षर	प्रायोजक
1)	निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण	12/01/2000	राष्ट्रीय संस्कृति निधि–दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी
2)	(क) गोलकुंडा किला, हैदराबाद में फलक प्रदीप्तन	1/12/2018 को अनुमोदित	इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान
	(ख) भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलुरू, कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक सुविधाएं	अगस्त 2019 में अवधारणा योजना अनुमोदित	
	(ग) सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	एएसआई से 02/07/2019 को अनुमोदन प्राप्त	

	(घ) लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन	15/12/2020 को अनुमोदित	
	(ड.) अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं	15/12/2020 को अनुमोदित	
	(च) मन्सर, महाराष्ट्र के प्राचीन अवशेषों पर पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं	15/12/2020 को अनुमोदित	
	(छ) मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं और प्रदीप्तन	15/12/2020 को अनुमोदित	
	(ज) सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलों, दमोह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं	03/03/2021 को अनुमोदित	
3)	संग्रहालय नगर परियोजना : संग्रहालय के नए भवन का निर्माण एवं संग्रह एवं संग्रहालय सुविधाओं का पुनर्वास	12/04/2002	राष्ट्रीय संस्कृति निधि–राजा दिनकर केलकर संग्रहालय
4)	लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण	10.1.2006	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया
5)	लौरिया नंदनगढ़, चंकीगढ़ एवं रामपुरवा, पश्चिम चंपारण, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास	18.12.2007	बोकारो इस्पात संयंत्र
6)	कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास	12/6/2008	हम्पी प्रतिष्ठान एवं डब्ल्यू एम एफ
7)	हिडिम्बा देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार	15/7/2008	यूको बैंक, चंडीगढ़
8)	आलमबाज़ार मठ नवीकरण, पुनर्निमाण परियोजना, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	14/10/2008	आलमबाज़ार मठ एवं एन सी एफ

9)	इब्राहिम रौज़ा का बागीचा एवं गोल गुम्बज़, बीजापुर, कर्नाटक का पुनर्जीवन	11/12/2009	नौरस ट्रस्ट
10)	विक्रमशिला, बिहार के खुदाई परिप्रदेश का संरक्षण एवं विकास	22/12/2009	एन टी पी सी लि.
11)	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास	25/02/2010	एएसआई–एनसीएफ–नागरिक सेवा मंडल
12)	अहोम स्मारक, शिवसागर जिला, असम का संरक्षण 1. रंग घर 2. करेंगनघर (गढ़गांव) 3. तालातल घर (जॉयसागर) 4. चेरईदेव में मैडेम्स का समूह	29/6/2010	तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओ एन जी सी)
13)	पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करते हुए पर्यावरण विकास, स्मारकों का प्रदीप्तन और हज़ारद्वारी राजमहल, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन	13/7/2010	भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता
14)	पुराना श्री रंगनाथ मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए डी पी आर की तैयारी	21/7/2011	श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि
15)	पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग	28/12/2013	राष्ट्रीय संस्कृति निधि–आंध्र प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं ओस्मानिया विश्वविद्यालय
16)	ए एस आई स्थल संग्रहालय, नालंदा, बिहार के लिए विस्तृत डी पी आर की तैयारी	16/04/2015	एन सी एफ
17)	राष्ट्रीय स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन	19/11/2017	भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल)

18)	विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. में मठ के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन	29/01/2021	एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान

6.2) चालू परियोजनाओं का ब्योरा

(क) निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 12/01/2000
वित्तपोषक/भागीदार : एनसीएफ–दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी
परियोजना विवरण : निष्पादन कलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण

दुर्गापुर बाल संस्कृति अकादमी (डीसीएसी) पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर–आसनसोल क्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में निष्पादन कलाओं एवं संस्कृति को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।

डीसीएसी की पहल का मुख्यतः जिला स्तर पर बहूत ही स्थानीय महत्व है। संगठन का उद्देश्य संस्कृति घटक के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं खेलकूद के पहलुओं सहित बहु–विषयक है।

(ख) एएसआई–एनसीएफ–आईओसी–आईओएफ के अंतर्गत राष्ट्रीय स्मारकों का उन्नयन एवं अनुरक्षण

वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल फाउंडेशन (आई ओ एफ),

एन सी एफ और ए एस आई के जरिए इंडियन ऑयल संरक्षण कार्य को वित्तपोषित कर रहा है और विरासत स्थलों पर पर्यटकों के लिए विश्व–स्तरीय सुविधाएं विकसित कर रहा है।

निम्नलिखित स्थलों पर पर्यटक/जन अवसंरचना सुविधाओं का विकास किया जा रहा है :

क. गोलकुंडा किला, हैदराबाद, तेलंगाना
ख. भोगानन्दीश्वर मंदिर, बंगलोर, कर्नाटक
ग. सी कैथेड्रल, गोवा
घ. लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र.
ड. अनंत शयन, भगवान विष्णु, धेनकनल, उड़ीसा
च. मन्सर, महाराष्ट्र के प्राचीन अवशेष
छ. मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक
ज. सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलें, दमोह, म.प्र.

I) गोलकुंडा किला, हैदराबाद, तेलंगाना में फलक प्रदीप्तन

कार्य के विवरण हैं –

- किला का फलक प्रदीप्तन
- पगडंडी प्रदीप्तन

गोलकुंडा किला, हैदराबाद

II) भोगानंदीश्वर मंदिर, बंगलोर, कर्नाटक

9वीं से 15वीं सदी के बीच बना भोगानंदीश्वर मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से द्रविड़ शैली के सबसे महत्वपूर्ण नमूनों में से एक है। दुहरे महाद्वार के साथ 112.8 मी. ग 76.2 मी. क्षेत्र में अपने ही प्राकार से घिरा इस परिसर में भोगानंदीश्वर (उत्तर) और अरूणाचलेश्वर (दक्षिण) के रूप में शिव को समर्पित जुड़वां मंदिर है। भोगानंदीश्वर मंदिर बंगलोर ग्रामीण जिला में नंदी पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।

विकसित की जा रही सुविधाएं हैं –

- छोटा जलपान गृह (अर्द्ध खुला)
- दर्शक वीथिका
- प्रसाधन खंड

- पेयजल किओस्क, अमानती सामान गृह
- बैठने के लिए बेंचों के साथ पार्किंग क्षेत्र
- भूचित्रण कार्य एवं संकेतक
- सौर उर्जा 13 केवीए का प्रावधान

भोगानंदीश्वर मंदिर का मुख्य भवन, बंगलोर, कर्नाटक

चाहरदीवारी, बंगलोर, कर्नाटक

III) सी कैथेड्रल, गोवा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास

कार्य के विवरण हैं –

- हरियाली के साथ पार्किंग क्षेत्र
- जलपान गृह, पहुंच पगडंडी
- बैठने का स्थान, प्रसाधन प्रखंड एवं पेयजल सुविधाएं
- दर्शक परिचालन पथ, भूचित्रण
- प्लास्टिक बोतल तोड़ने की मशीन
- सुविधाओं, संकेतकों का विद्युतीकरण

सी कैथेड्रल, गोवा

IV) लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं एवं प्रदीप्तन

कार्य के विवरण हैं –

- विवेचन केंद्र
- स्मारक का फलक प्रदीप्तन
- बैटरी प्रचालित वाहन का प्रावधान
- पगडंडी प्रदीप्तन

लखनऊ रेसीडेंसी, उ.प्र.

V) अनंत शयन, भगवान विष्णु, धनकनल, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

कार्य के विवरण हैं –

- बाढ़ के पानी के क्षरण से मूर्ति की रक्षा के लिए पत्थर से चिने हुए बांध दीवार का विस्तार, चौड़ा करना
- दर्शकों के लिए बांध दीवार पर सुरक्षित रैलिंग के साथ पगडंडी
- भूचित्रण, पर्यटकों के लिए बैठने का स्थान
- वर्षा आश्रय स्थल, प्रसाधन प्रखंड, पेयजल

अनंत शयन, भगवान विष्णु धेनकनल, उड़ीसा

VI) मन्सर, महाराष्ट्र के प्राचीन अवशेषों पर पर्यटक अवसंरचना सुविधाए

कार्य के विवरण हैं –

- विवेचन केंद्र
- जलपान गृह
- पगडंडी, बैठने का स्थान, कूड़ादान
- डीजी सेट, सौर प्रणाली
- चाहरदीवारी
- भूचित्रण, संकेतक
- बैटरी प्रचालित वाहन
- स्मारक प्रदीप्तन, पगडंडी प्रदीप्तन
- कार्यालय भवन, पार्किंग

प्राचीन अवशेष, मन्सर महाराष्ट

VII) मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं और प्रदीप्तन

कार्य के विवरण हैं –

- स्मारकों का प्रदीप्तन
- प्रदीप्तन प्रणाली के लिए सौर संयंत्र
- विवेचन केंद्र, श्रव्य एवं दृश्य प्रेक्षागृह के साथ वीथिकाएं
- पगडंडी, बैठने का स्थान
- चिह्नित सुविधाएं स्थल पर समग्र क्षेत्र का भूचित्रण

मंदिर समूह, पत्तादकल, कर्नाटक

VIII) सिन्गोरगढ़ किला एवं सम्बद्ध स्थलें, दमोह, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाएं

परियोजना को 03.03.2021 को अनुमोदित किया गया और भारत के माननीय राष्ट्रपति ने दिनांक 07.03.2021 को संरक्षण और विकास कार्य की आधारशिला रखी।

कार्य के विवरण हैं –

- पर्यटक सुविधा केंद्र
- बड़ा तोरण द्वार, जलपान गृह, लकड़ी की रैलिंग
- पार्किंग, पर्यटक आश्रय, सौर उर्जा
- पगडंडी, प्रसाधन प्रखंड, बैठने का स्थान

भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा
आधारशिला रखे जाने का समारोह

सिन्गोरगढ़ किला, दमोह, म.प्र.

(ग) राजा दिनकर केलकर संग्रहालय के नए भवन का संरक्षण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	12/04/2002
वित्तपोषक/भागीदार	:	एनसीएफ–राजा दिनकर केलकर संग्रहालय

परियोजना विवरण : संग्रहालय नगर परियोजना : संग्रहालय के नए भवन का निर्माण एवं संग्रह संग्रहालय सुविधाओं का पुनर्वास

राजा दिनकर केलकर संग्रहालय (आरडीकेएम) के पास कवि, संग्रहकर्ता और कला मर्माज्ञ पद्मश्री स्व. डॉ. डी जी केलकर (1896–1990) का संग्रह है। संकलन में संगीत उपकरणें, वस्त्र, धातु की उपयोगी वस्तुएं, मूर्तियां, कांस्य, लकड़ी की कला वस्तुएं, पांडुलिपियां हैं, जो डॉ. केलकर ने 1975 में संग्रहालय को दान में दिया था।

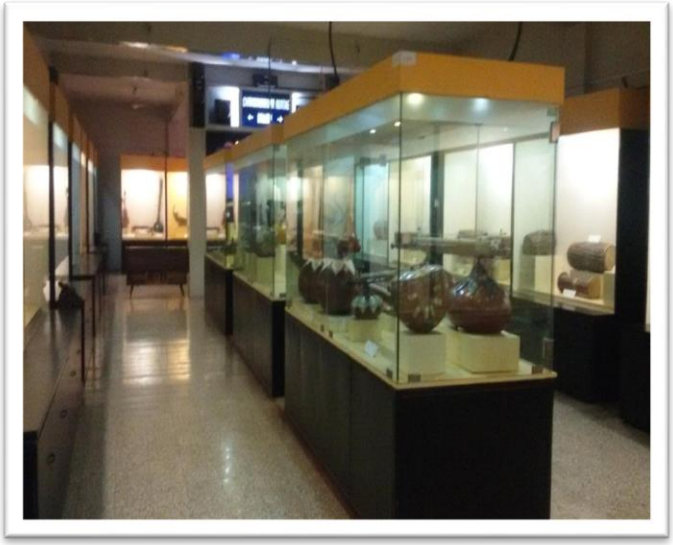

राजा दिनकर केलकर संग्रहालय, पुणे महाराष्ट्र

आरडीकेएम के लिए नए परिसर की स्थापना के लिए बजट के संबंध में यह सहमति बनी है कि आरडीकेएम और एनसीएफ निजी क्षेत्र, आमजन एवं सरकार सहित से इस उद्देश्य हेतु निधियां उगाही करने एवं दान सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करेगा। एनसीएफ ने परियोजना की पुनरीक्षा का भी निर्णय लिया है, ताकि इसके कार्यक्षेत्र को सरल एवं कारगर बनाया जा

घ) लोधी मकबरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख : 10/01/2006
वित्तपोषक/भागीदार : ए एस आई–एन सी एफ–भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड
परियोजना विवरण : लोधी मक़बरा, नई दिल्ली का संरक्षण, परिरक्षण एवं भूचित्रण।.

लोधी उद्यान में स्थित स्मारक पूर्व मुग़ल कालीन इमारतों के सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और शहर के भीतर एक निशान की तरह खड़े हैं। लोदी का मकबरा प्रसिद्ध लोदी उद्यान के बीचोंबीच में स्थित है।

विशिष्ट स्मारकों एवं उनके परिप्रदेशों के संरक्षण के लिए निधियों के अंशदान द्वारा कुछ स्मारकों को लेने हेतु एएसआई एवं एनसीएफ ने सेल से पेशकश की। उन्होंने संयुक्त रूप से संरक्षण, परिरक्षण, अनुरक्षण एवं भूचित्रण के लिए लोदी उद्यान के भीतर स्थित निम्नलिखित स्मारकों की पहचान की है :

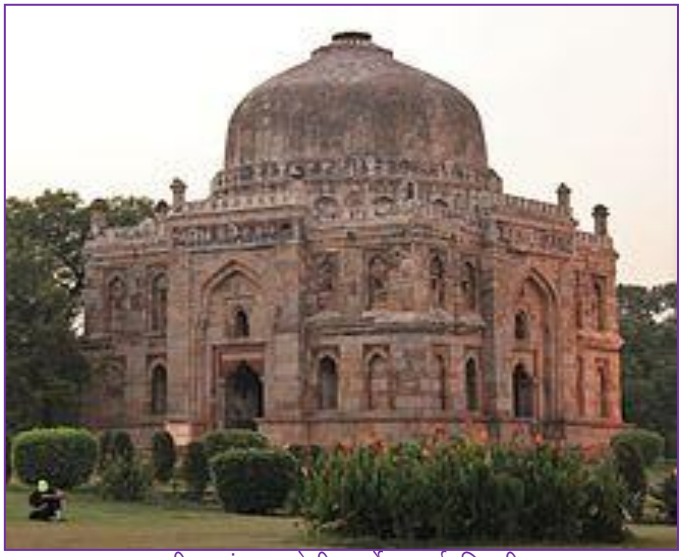

शीश गुंबद, लोदी गार्डेन, नई दिल्ली

(क) सिकंदर लोदी का मकबरा, (ख) शीश गुंबद, (ग) बड़ा गुंबद, मस्जिद, (घ) मोहम्मद शाह का मकबरा, (ड.) आठपुला (पुराना लोदी पुल)

बड़ा गुंबद, लोदी गार्डेन, नई दिल्ली

ड.) लौरिया नंदनगढ़, बिहार में अवसंरचना एवं अन्य सुविधाओं का विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	:	18/12/2007
निधिदाता/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–बोकारो इस्पात संयंत्र
परियोजना विवरण	:	बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लौरिया नंदनगढ़, चंकी गढ़ और रामपुरवा अवसंरचना तथा अन्य सुविधाओं का विकास

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में लौरिया नंदनगढ़, चंकी गढ़ और रामपुरवा में स्थित स्मारकों और स्थलों में पर्यटक सुविधाओं और उद्यानों के विकास के लिए कार्य योजना और कार्य का क्षेत्र प्रस्तुत किया जाना है।

लौरिया नंदनगढ़, बिहार

च) कृष्ण मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	12/06/2008
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ– हम्पी फाउण्डेशन–डब्ल्यू एम एफ
परियोजना विवरण	:	कृष्ण मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास।

कृष्ण मंदिर, हम्पी

इस मंदिर का निर्माण राजा (कृष्णदेव राय) ने 1513 ई0 में कराया था। इस मंदिर में स्थापित मुख्य मूर्ति बालकृष्ण (भगवान कृष्ण का शिशु रूप) की प्रतिमा थी। यह मूर्ति अब राज्य संग्रहालय, चेन्नई में प्रदर्शित की गई है। यह ऐसे बहुत कम मंदिरों में से एक है जिनमें मीनार की दीवारों पर महागाथाएं उत्कीर्ण हैं। यह सचमुच विजयनगर युग के मंदिर का एक सही क्षतिरहित नमूना है।

छ) हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	15/07/2008
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ–यूको बैंक
परियोजना विवरण	:	हिडिम्बा देवी मंदिर में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

हिडिम्बा देवी मंदिर मनाली में स्थित है जिसे हिडिम्बा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह भारतीय महाकाव्य महाभारत की एक देवी को समर्पित प्राचीन गुफा मंदिर है। यह मंदिर हिमालय की तलहटी में देवदार वन से घिरा हुआ है। यह मंदिर जमीन से निकली एक बड़ी चट्टान के ऊपर बना है, जिसकी पूजा एक देवी के रूप में की जाती थी। इस संरचना का निर्माण 1553 में हुआ था।

हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली

हिडिम्बा देवी मंदिर में बारीक नक्काशी वाले लकड़ी के दरवाजे हैं और मंदिर के ऊपर लकड़ी का 24 मीटर ऊंचा 'शिखर' या मीनार है। इस मीनार में लकड़ी के पट्टों से ढकी हुई तीन चौकोर छतें हैं और चोटी पर चौथी शंक्वाकार छत पीतल की है। मुख्य द्वार की नक्काशी का मुख्य विषय पृथ्वी देवी दुर्गा है। कार्य के क्षेत्र को संशोधित करने के लिए समझौता ज्ञापन के शुद्धि पत्र पर ए एस आई, एन सी एफ और यूको बैंक ने हस्ताक्षर किए हैं।

योग्य एवं अनुभवी वास्तुकार को नियुक्त करके स्मारकों पर वास्तविक कार्य शुरू करने से पहले व्यापक योजना तैयार किया जाना है और एएसआई सीधे ही काम को निष्पादित करेगा या अपने समग्र पर्यवेक्षण के अंतर्गत सक्षम एजेंसी के जरिए बाहर से काम कराएगा।

ज) आलमबाज़ार मठ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल का नवीकरण, पुनर्निर्माण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	14/10/2008
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–आलमबाज़ार मठ
परियोजना विवरण	:	आलमबाज़ार मठ का नवीकरण, पुनर्निर्माण।

आलमबाज़ार मठ की स्थापना फरवरी, 1892 ई. में हुई थी। यहां पर स्वामी अभेदानंद, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्णानंद तथा अन्यों के शिष्य एकत्र हुए थे और ध्यान योग, धार्मिक अनुष्ठान, लोक कल्याण के कार्य एवं पूजा–पाठ में आध्यात्मिक जीवन गुजारे थे।

इस परियोजना के दो घटक हैं :

- आलमबाज़ार का जीर्णोद्धार, नवीकरण और परिरक्षण
- मौजूदा स्कूल, औषधालय इत्यादि का पुनर्वास, दूसरे स्थान पर ले जाना/सुधार।

आलमबाज़ार मठ, कोलकाता

झ) इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर, कर्नाटक के बागों का पुनर्जीवन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	11/12/2009
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ– नौरस न्यास
परियोजना विवरण	:	इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर के बागों का पुनर्जीवन

कर्नाटक राज्य के बीज़ापुर, जिला–बीजापुर में स्थित मुहम्मद आदिल शाह (1626–56 ई.) का मक़बरा, गोल गुम्बद भारतीय–इस्लामिक वास्तुकला का एक महत्वपूर्ण स्मारक है। इस भवन में एक विशाल वर्गाकार कमरा है जिसकी प्रत्येक भुजा लगभग 50 मी. (160 फुट) की है और इसके ऊपर 37.9 मी. (124 फुट) व्यास का विशाल गुम्बद स्थित है जो इसे विश्व का

दूसरा सबसे बड़ा गुम्बदाकार भवन बनाता है। गोल गुम्बद की सबसे दिलचस्प और उल्लेखनीय विशेषता इसकी ध्वनि प्रणाली है।

गोल गुम्बद परिसर में एक उत्कृष्ट जल आपूर्ति प्रणाली भी है जैसा कि जल कुण्डों, फब्बारों सह कुण्ड, लिफ्ट सह कुंड और कुंओं से प्रतीत होता है। ये बाग स्मारक की डिजाइन के अभिन्न भाग थे, जैसा कि बीजापुर के बाहर स्थित जहां बेग़म (आदिल शाह की पत्नी) के अधूरे मक़बरे में प्रदर्शित किया गया है। मूल बागों को समझने का महत्व दिखाई पड़ने से कहीं आगे तक जाता है जैसा कि इब्राहिम रौज़ा जिसका समय–समय पर बाढ़ से नुकसान हुआ है और गोल गुम्बद जहां लॉन में पानी देने के कारण इमारत के तलघर में नमी आने से रिसाव होता है, में प्रदर्शित होता है।

इस परियोजना का उद्देश्य इस इमारत और बाग के बीच संबंध को यथासम्भव पुनः स्थापित करना है।

परियोजना के उद्देश्य –

- समकालीन उपयोगों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इस ऐतिहासिक काल के भूपरिदृश्य संबंधी भावना और शैली को अपनाने के लिए इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद के बागों को पुनर्जीवित करना।
- इस अनुभव से ऐसी विधि का निर्माण करना जिसे इस क्षेत्र के अन्य बागों पर लागू किया जा सके। इसमें एक दल का गठन करना भी शामिल है जो इस युग के बागों का अध्ययन, विश्लेषण और संरक्षण कर सके।

इब्राहिम रौज़ा (गोल गुम्बद, बीज़ापुर, कर्नाटक) –उत्तर से दृश्य

ञ) विक्रमशिला विश्वविद्यालय, बिहार स्थित स्मारकों के समूह के परिवेश का संरक्षण एवं विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	22/12/2009
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ–राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन टी पी सी)
परियोजना विवरण	:	विक्रमशिला के उत्खनित परिवेश का संरक्षण एवं विकास

- विक्रमशिला विश्वविद्यालय

यह पाल वंश के दौरान भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध अध्ययन केन्द्रों में से एक था, दूसरा नालंदा विश्वविद्यालय था। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की गुणवत्ता में तथाकथित कमी आने के प्रतिक्रिया स्वरूप विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना राजा धर्मपाल (783 से 820 ई.) ने की थी। विक्रमशिला बिहार में भागलपुर से लगभग 50 कि.मी. पूर्व दिशा में स्थित है। कार्य के विवरण हैं –

जल कियोस्क विक्रमशिला, बिहार

- पेयजल कियोस्क का निर्माण
- पश्चिम भाग में मठवासीय कक्षों का संरक्षण

संरक्षण से पहले

संरक्षण के दौरान

ट) प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	22/12/2009
वित्तपोषक/भागीदार	:	ए एस आई–एन सी एफ–नागरिक सेवा मंडल, पुणे
परियोजना विवरण	:	प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ, महाराष्ट्र का संरक्षण, परिरक्षण एवं विकास

अम्बरनाथ, महाराष्ट्र का शिव मंदिर, जिसे अंबरेश्वर शिव मंदिर भी कहा जाता है, 10वीं शताब्दी का भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर है। यह हेमदपंति निर्माण में पत्थर से काटा गया एक सुंदर मंदिर है।

मंदिर परिसर के पुनर्स्थापन में अनुचित सीमेंट निशान को हटाना एवं दरारों को भरना, मंदिर के निकट प्राचीन कुँओं से गाद निकालना, मंदिर परिसर में दर्शक सुविधाएं प्रदान करना, मंदिर का प्रदीप्तन आदि शामिल है।

प्राचीन शिव मंदिर, अंबरनाथ

ठ) अहोम स्मारक, असम का संरक्षण

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	29/06/2010
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी)
परियोजना विवरण	:	असम के शिव सागर जिले में स्थित निम्नलिखित चार अहोम स्मारकों नवीकरण और अनुरक्षण :

- रंग घर
- कारेंग घर (गढ़गांव)
- तलातल घर (जयसागर)
- चेराई देव स्थित मैदम समूह (कब्रगाह)

शिवसागर, भगवान शिव का सागर, भारत के असम राज्य के शिवसागर जिले में गुवाहाटी से लगभग 360 कि. मी. (224 मील) पूर्वोत्तर में एक कस्बा है। अपने इतिहास, संस्कृति और तालाबों के अलावा यह अहोम महलों और स्मारकों के लिए भी प्रसिद्ध है। इस स्थल के समीप ही ओ एन जी सी संयंत्र है।

कारेंग घर (गढ़गांव)

रंग घर, शिव सागर, असम

असम के शिवसागर जिले में स्थित अहोम स्मारकों {रंग घर, कारेंग घर (गढ़गांव), तलातल घर (जॉय सागर), चेराई देव स्थित मैदम समूह} के नवीकरण और अनुरक्षण को प्रायोजित करने के लिए ओएनजीसी से पेशकश की गई थी। ओएनजीसी परियोजना के लिए अपेक्षित निधि का अंशदान करेगा। परियोजना का नाम ''अमूल्य धरोहर'' होगा। क्षेत्रीय निदेशक, पूर्व और उसके दल के ज़रिए ए एस आई द्वारा परियोजना कार्यान्वित की जा रही है।

ड) हजारद्वारी महल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल का उन्नयन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	13/07/2010
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
परियोजना विवरण	:	पर्यटक के लिए सुविधाएं प्रदान करते हुए पर्यावरणीय विकास, स्मारकों प्रदीप्तन और मुर्शिदाबाद में हजारद्वारी महल संग्रहालय का उन्नयन

हजारद्वारी महल नवाब नाज़िम हुमायूं जाह के समय नव–शास्त्रीय शैली में निर्मित 41 एकड़ क्षेत्र में फैली तीन मंजिली इमारत है। इस महल की योजना समकालीन वास्तुकार कर्नल मैक्लियोड डंकन ने 1829 और 1837 के बीच कार्यान्वित की थी। इस आलीशान महल के भवन की मुख्य विशेषता है इसके सममितीय फलक और डोरिक स्तम्भों पर सधे हुए त्रिभुजाकार त्रिकोणिका

द्वारमण्डप तथा इस पर उत्तरी दिशा में स्थित आलीशान सीढ़ियों से चढ़ा जा सकता है। हजारद्वारी महल वर्ष 1977 में भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय महत्व का केन्द्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और इसके अन्दर बने संग्रहालय को 1985 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पश्चिम बंगाल सरकार से अपने पास ले लिया था।

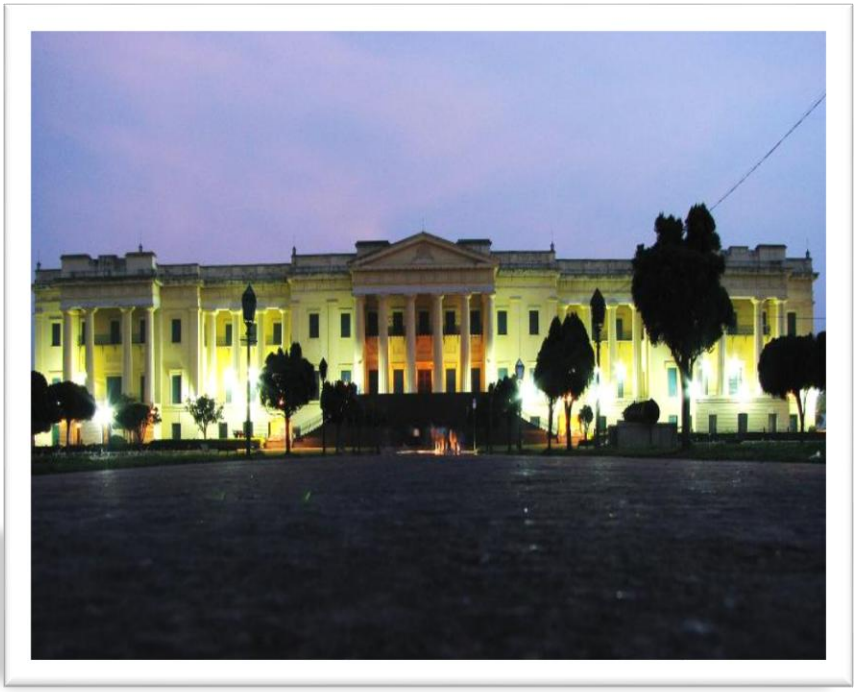

हजारद्वारी महल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल

ढ़) रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए डी पी आर की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	14/10/14
वित्तपोषक/भागीदार	:	एन सी एफ– धरोहर (परामर्शदाता)
परियोजना विवरण	:	पुराने रंगजी मंदिर, पुष्कर के संरक्षण के लिए डी पी आर की तैयारी

श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर पुराना रंगजी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। यह 1844 में बना पुष्कर में सबसे पुराना द्रविड़ शैली का मंदिर है।

श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर परिसर द्रविड़ मंदिर वास्तुकला और राजस्थान वास्तुकला का एक उत्कृष्ट संयोजन है और इसमें चूना मसाला से बना सड़क और पुराने कलात्मक प्रतिमान के साथ आंतरिक मंदिर के चित्रित दीवारों सहित राजस्थान शैली में सज्जित विशाल प्रवेश द्वार और बाहरी परिक्रमा पथ है। मंदिर का आवासीय परिसर 90,000 वर्ग फीट से

अधिक के क्षेत्र में फैला हुआ है। दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली और राजस्थानी शैली में निर्मित मंदिर परिसर धार्मिक और मिथक कहानियों की चित्रकारी के साथ अलंकृत डिज़ाइन से भरा–पड़ा है।

दीवारों पर शेखावती क्षेत्र का महत्वपूर्ण भित्ति चित्र परम्परा अंकित है। भित्ति चित्र का क्षरण हो रहा है और इसके परिरक्षण और संरक्षण हेतु तुरंत ऐहतियात बरतने की आवश्यकता है।

पुराना रंगजी मंदिर, पुष्कर

स्थिति के मूल्यांकन के लिए विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट अपेक्षित है।

एनसीएफ की लघु अनुदान योजना के अंतर्गत पुराने रंगजी मंदिर, पुष्कर के संरक्षण के लिए डी पी आर की तैयारी के लिए दिनांक 14/10/14 को एन सी एफ–धरोहर (परामर्शदाता) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

ण) पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	28/12/2013
वित्तपोषक/भागीदार	:	राष्ट्रीय संस्कृति निधि– आंध्र प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय एवं ओस्मानिया विश्वविद्यालय
परियोजना विवरण	:	पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद का संरक्षण और पुनः उपयोग

ओस्मानिया विश्वविद्यालय ने 1924 में महिलाओं की शिक्षा के लिए महिला विश्वविद्यालय कॉलेज, कोटि की स्थापना की। आंध्र प्रदेश सरकार ने महिला शिक्षा के उद्देश्य से ओस्मानिया विश्वविद्यालय को पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी का स्थान एवं भवन दिया है और रजिस्ट्रार, ओस्मानिया विश्वविद्यालय इस संपत्ति के संरक्षक हैं। ओस्मानिया विश्वविद्यालय ने विश्व स्मारक निधि के सहयोग से एक संरक्षण प्रबंधन योजना (सीएमपी) तैयार की है और ऐतिहासिक स्थल एवं भवनों के पुनर्स्थापन एवं अनुकूली पुनर्प्रयोग के लिए एनसीएफ (द्वितीय पक्ष), एसडीएएम (तृतीय पक्ष) की साझेदारी में सीएमपी को कार्यान्वित करना चाहता है।

पूर्व ब्रिटिश रेसीडेंसी, हैदराबाद

त) नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	16/04/2015
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–राष्ट्रीय संस्कृति निधि–एस्ट्रो लिंक्स
परियोजना विवरण	:	नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए डी पी आर की तैयारी

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मै. एस्ट्रो लिंक्स (परामर्शदाता) द्वारा तैयार किया जा रहा है। डी पी आर का उद्देश्य स्थल का अध्ययन है और यह उपाय सुझाना है कि कैसे संरक्षण हस्तक्षेप शुरू करके स्थल के महत्व को बढ़ाना है, जो न केवल इसके महत्त्व की रक्षा करेगा वरन् इसके दर्शक को समग्र एवं प्रामाणिक अनुभव भी प्रदान करेगा।

नालंदा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों रूप से एक महत्वपूर्ण स्थल है। प्रतिवर्ष औसत 2.5 लाख आगंतुको के साथ यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि इसके महत्व को दर्शकों द्वारा अच्छी तरह विवेचित किया जाए।

वर्तमान स्थल संग्रहालय संभवतः खुदाई स्थल पर कार्य के लिए पुरातत्वविदों के लिए 1915 में एक अतिथि गृह के रूप में बनाया गया था। इसे 1917 में नालंदा तथा राजगीर से उत्खनित पुरावस्तुओं को रखने के लिए संग्रहालय में परिवर्तित

किया गया था। इसके बाद इसे 1956 में नवीकृत किया गया। केवल 390 वर्ग मी. के कवरेज क्षेत्र के साथ यह संग्रहालय भवन निश्चित रूप से 13,463 कला तथ्यों के लिए पर्याप्त नहीं है।

संग्रहालय के मूल तंतु की रक्षा हेतु केवल न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ भवन के भौतिक ढांचे को रक्षित करने की आवश्यकता है। यह खंड प्रमुख रूप से दर्शक विवेचन और सुविधा को पूरा करेगा। इसमें टिकट काउंटर, विवेचन केन्द्र, अमानती सामान घर, संग्रहालय दूकान, बाल शिक्षा क्षेत्र आदि होगा।

नालंदा संग्रहालय को एक 'स्थल संग्रहालय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह किसी अन्य संग्रहालय से बहूत अलग है। इस पहलू को डिजाइन हस्तक्षेपों के जरिए वद्धित और अच्छी तरह से विवेचित किया जाना चाहिए। स्थल संग्रहालय में अवशेषों/अन्वेषणों को बहूत ही सावधानीपूर्वक प्रदर्शित किया जाना चाहिए, ताकि दर्शकों द्वारा स्थल के साथ उनके संबंध को आसानी से समझा जा सके।

नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार

यह परियोजना भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत के रक्षण का राष्ट्रीय संस्कृति निधि के दर्शन का एक भाग है। यह पहल शामिल की गई विधाओं के वृहत रेंज जैसे कि पुरावशेष परिरक्षण, संरक्षण प्रदर्शनी, पुरातत्व, कला इतिहास, ऐतिहासिक भवन संरक्षण, संग्रहालय विज्ञान, प्रलेखन, ढ़ॉचागत एवं सिविल इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन, अन्यों के साथ भूचित्र डिजाइनिंग के साथ एक अनुभवी बहु–विषयक दल द्वारा विचारों के आदान–प्रदान एवं उनके कार्यान्वयन के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

थ) राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख	:	19/11/2017 (09.03.2016 को एक हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ)
वित्तपोषक/भागीदार	:	एएसआई–एनसीएफ–भारतीय अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड
परियोजना विवरण	:	राष्ट्रीय स्मारकों पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन

सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और रक्षण शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), संस्कृति मंत्रालय और भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल) के बीच 9 मार्च, 2016 को एक प्रछत्र समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। बाद में ए एस आई स्मारकों पर चक्रद्वार के साथ दर्शक प्रबंधन समाधान प्रदान करने और ऑनलाइन टिकट प्रणाली (ई–टिकट सुविधा) के साथ समेकन के लिए एन सी एफ – ए एस आई – आई आई एफ सी एल के बीच एक त्रिपक्षीय संगम ज्ञापन पर 19 नवंबर, 2017 को हस्ताक्षर हुआ।

चक्रद्वार टिकट प्रणाली को भारत अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल) की कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी एस आर) पहल के तहत् वित्तपोषित किया जा रहा है। यह प्रणाली निश्चित रूप से स्मारक परिसरों के भीतर दर्शकों को सुगम प्रवेश प्रदान करेगा। यह व्यवस्था पहले की प्रवेश व्यवस्था की तुलना में बहुत ही क्रमिक और बाधामुक्त है और इसमें कम समय लगता है।

द) विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह में मठ, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान परियोजना

विष्णु मंदिर, बाओदी एवं मंदिर समूह, बातेश्वर, जिला मोरेना, म.प्र. में मठ के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए 29 जनवरी, 2021 को एएसआई–एनसीएफ–इन्फोसिस प्रतिष्ठान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इन्फोसिस प्रतिष्ठान ने इस परियोजना के लिए रु. 4.00 करोड़ की राशि दान देने की सहमति दी है और रु. 1 करोड़ की राशि जारी कर चुका है।

चिह्नित संरक्षण एवं परिरक्षण कार्य :–

- मंदिर का प्रलेखन
- स्थिति मापन और फोटोग्राफी द्वारा वास्तुगत खंड की विस्तृत फोटोग्राफी
- प्लेट से निर्मित दीवार की बाहरी परिधि को मजबूत करने और रक्षित करने के लिए भारी आकार के पत्थर चिनाई के लिए बाहरी प्लेट निर्मित दीवार के साथ आंतरिक कोर का पता लगाना

- पत्थरों की सफाई और पत्थरों को रोकने के लिए स्तर–वार एवं दिशा–वार बिछाई के बाद सेवा योग्य पत्थर मंदिर शिल्प तथ्य खंड की छँटाई के लिए प्रावधान।

काम चल रहा है

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का वित्तीय विवरण वित वर्ष 2021–22

7) लेखा परीक्षा रिपोर्ट

प्रबंधन पत्र का अनुबंध

1. एन सी एफ ने रु. 50,187 का एक स्कैनर वर्ष 2020–21 के दौरान खरीदा और इसे कार्यालय उपकरण के अंतर्गत शामिल किया और इस पर 15 प्रतिशत की दर से ह्रास प्रभारित किया । तथापि, स्कैनर कंप्यूटर हार्डवेयर का भाग होने के कारण इस पर 40 प्रतिशत की दर से ह्रास प्रभारित किया जाना चाहिए था। इसका परिणाम रु. 12,170 से नियत परिसंपत्तियों की अधिक अभिव्यक्ति हुई ह्रास की कम अभिव्यक्ति हुई। इसे पिछले वर्ष के दौरान भी इंगित किया गया था, लेकिन एनसीएफ द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं किया।

2. तुलन पत्र की अनुसूची 3 के अनुसार एनसीएफ के अंतर्गत 41 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि 41 परियोजनाओं में से 06 खातों को बैंक द्वारा निष्क्रिय घोषित किया गया और केवल 05 परियोजनाओं में वर्ष 2021–22 के दौरान बड़े लेन देन हुए। इसके अलावा, यह देखा गया है कि बॉकी 30 परियोजनाओं में कोई लेन देन नहीं हुआ। तथापि एनसीएफ द्वारा इनमें से अनेक परियोजनाओं में बैंक प्रभार का भुगतान किया जा रहा है। एनसीएफ को इन परियोजनाओं की पुनरीक्षा करनी चाहिए और आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा–परीक्षा प्रतिवेदन

1. हमने नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के तहत 31 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2025–26 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय संस्कृति निधि के प्रबंधन की जिम्मेवारी है। हमारी जिम्मेवारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करनी है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानदंड और प्रगटन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखांकन व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी शामिल है। विधि, नियम एवं विनियम (मालिकाना एवं विनियामक) के अनुपालन और दक्षता–सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो, के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियां अलग से निरीक्षण रिपोर्टों/कैग के लेखा परीक्षा रिपोर्टों के जरिए सूचित की जाती हैं।

3. हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा परीक्षण मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में यह अपेक्षा है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक मिथ्या विवरणों से मुक्त हैं, लेखा परीक्षा का नियोजन और निष्पादन करते हैं। लेखा परीक्षा में राशियों का समर्थनकारी साक्ष्य और वित्तीय विवरण के प्रगटन का जांच आधार पर परीक्षण शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए पर्याप्त आकलनों का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करता है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि :

   i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

   ii. इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित लेखाओं के सामान्य फॉर्मेट में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां और अन्य संगत रिकार्ड रखे गए हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

क. तुलन पत्र

क. 1 उपर्युक्त में नीचे यथा वर्णित दीर्घ लंबित देयताएं शामिल हैं:

क्र.सं.	नाम	रु. लाख में	इस अवधि से लंबित
1	वस्तु एवं सेवाओं के लिए विविध लेनदार	7.12	मार्च 2012
2	प्राप्त अग्रिमें	4.62	जून 2009
3	राष्ट्रीय संग्रहालय को देय	7.42	अप्रैल 2005 से पूर्व
4.	परियोजनाओं को वापसी योग्य राशि	13.30	पिछले वर्ष के लेखाओं से, इस राशि की सही अवधि को एनसीएफ द्वारा प्रकट नहीं किया गया।

ये दीर्घ लंबित अग्रिमें असमायोजित पड़ी हैं और इसे यथाशीघ्र पुनरीक्षित किए जाने और निपटाने की आवश्यकता है और संदेहास्पद राशि, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया जाए।

क. 2 चौधरी चरण सिंह की जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए वर्ष 2002–03 और 2003–04 के दौरान प्राप्त रु. 1. 01 करोड़ की अव्ययित राशि मंत्रालय को मई, 2014 में लौटाई गई। तथापि, एन सी एफ ने 2021–22 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज की राशि को वापस नहीं किया। एन सी एफ ने केवल वर्ष 2009–10 तक अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज के रूप में रु. 0.44 लाख का ब्योरा दिया। तथापि वर्ष 2010–11 से 2021–22 तक ब्याज की राशि की गणना नहीं की गई और 31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक लेखे में इसे अलग से नहीं दर्शाया गया। एन सी एफ को संबंधित प्राधिकारी को भुगतान करने की तिथि तक ब्याज की राशि की गणना करनी चाहिए और उसे लेखा परीक्षा को सूचित करना चाहिए। क.3 उपर्युक्त में रु. 3.91 लाख का विविध ऋणी शामिल है, जो 2013 से लंबित था। अतिदेय ऋणियों/पूर्व–भुगतान की न तो पुनरीक्षा की गई और न ही लेखों में इसके लिए कोई प्रावधान किया गया।

क.4 लेखाओं के समरूप प्रपत्र के अनुसार संविदात्मक कर्मचारियों के भुगतान को अन्य प्रशासनिक खर्च के अंतर्गत दर्शाया जाना है। एनसीएफ ने रु. 5,82,706/– के व्यय को स्थापना व्यय–अन्य वेतन एवं संविदात्मक स्टाफ को मजदूरी के अंतर्गत बुक किया। तथापि एनसीएफ के पास केवल सभी संविदात्मक स्टाफ हैं, अतः संविदात्मक स्टाफ के भुगतान को स्थापना व्यय के बजाय अन्य प्रशासनिक खर्च के अंतर्गत बुक किया जाना चाहिए था। इसे सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

ख. सहायता अनुदान

वर्ष 2021–22 के प्रारंभ में एन सी एफ के पास रु. 56.36 करोड़ की कॉरपस निधि थी, जिसमें रु. 19.50 करोड़ की प्राथमिक कॉरपस निधि शामिल थी। इसने वर्ष के दौरान निधि के निवेश पर रु. 2.21 करोड़ ब्याज अर्जित किया। इसे वर्ष के दौरान रु. 0.19 करोड़ की विविध प्राप्ति हुई। उपलब्ध रु. 58.76 करोड़ निधियों में से इसने रु. 0.68 करोड़ का उपयोग किया और वर्ष के अंत में रु. 58.08 करोड़ का अव्ययित शेष रह गया।

ग. प्रबंधन पत्र

जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा में शामिल नहीं किया गया है, उसे उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के जरिए एन सी एफ के ध्यान में लाया गया है।

V. पूर्ववर्ती पैरा में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

Vi. हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है :

(क) जहां तक कि इसका संबंध 31 मार्च, 2022 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की कार्य स्थिति के तुलन पत्र से है, और

(ख) जहां तक इसका संबंध उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अतिरेक के आय एवं व्यय लेखा से है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

ह0/–

(राजीव कुमार पांडे)
महालेखा परीक्षक (केंद्रीय राजस्व)
नई दिल्ली

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 09/01/2023

अनुबंध

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

    - इसकी स्थापना से एन सी एफ की आंतरिक लेखा परीक्षा का आयोजन नहीं किया गया।
    -

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

    - एनसीएफ के अंतर्गत 41 परियोजनाएं थीं, जिसके लिए अलग बैंक खाते रखे गए थे। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि इन परियोजनाओं में से 36 में कोई खर्च नहीं हुआ है और रु. 22.02 करोड़ शेष था। इन परियोजनाओं के पुनरीक्षण की आवश्यकता है।
    - बाह्य लेखा परीक्षा आपत्तियों पर प्रबंधन का प्रत्युत्तर प्रभावकारी नहीं है, क्योंकि वर्ष 2002–03 से 2016–17 की अवधि में 38 निरीक्षण रिपोर्ट पैरे बकाए थे।
    - एनसीएफ ने रु. 64.85 करोड़ की नियत जमाओं के लिए निवेश रजिस्टर नहीं बनाया।
    - एन सी एफ ने अपनी स्थापना से उप–नियम नहीं बनाए।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

    - मार्च 2022 तक स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। भौतिक सत्यापन रिपोर्ट लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया।
    -

4. वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

    - मार्च, 2022 तक लेखन सामग्री और उपभोग्य मदों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। तथापि, एन सी एफ ने लेखा परीक्षा को कोई भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया।
    -

5. सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता

    - 31.03.2022 को सांविधिक बकायों के संबंध में छह माह से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

8) लेखा परीक्षक का रिपोर्ट

विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
एक्स वी–5352/ए (प्रथम तल)
शोरा कोठी, पहाड़गंज, नई दिल्ली–110055
टेलीफोन : 23562736, 23586782
टेली./फैक्स : 23586782

लेखा परीक्षक का रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृति निधि के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि के अनुसार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा और आय एवं व्यय लेखा की लेखा परीक्षा की है और रिपोर्ट करते हैं कि :

क) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ख) हमारी राय में सोसायटी द्वारा विधि द्वारा यथा अपेक्षित उपयुक्त लेखा बहियां रखी गई हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

ग) इस रिपोर्ट में संदर्भित तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

घ) हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित लेखाएं सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है :

i) 31 मार्च, 2022 को एसोसिएशन के कार्य स्थिति के तुलन पत्र के मामले में है,

ii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निधियों के व्यय के ऊपर अतिरेक के आय एवं व्यय के मामले में है,

iii) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी के संचलन के प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में है।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 09 सितंबर 2022

9) फॉर्म 10

फॉर्म 10

(नियम 17 देखें)

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)/10(23ग)(**iv**) के तहत मूल्यांकन अधिकारी/निर्धारित प्राधिकारी को सूचना

सेवा में

मूल्यांकन अधिकारी

न्यास सर्कल

लक्ष्मी नगर

नई दिल्ली

महोदय,

1. मैं, अजय यादव, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय संस्कृति निधि की ओर से एतद्द्वारा आपकी सूचना में यह लाता हूँ कि कार्यकारी समिति द्वारा दिनांक.....को पारित संकल्प द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मूल्यांकन वर्ष 2022–23 के संगत पिछले वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि की आय में से पिछले वर्ष के अंत तक उपलब्ध राशि रु. 2,40,61,074 को 31 मार्च 2027 को अंत होने वाले वर्ष तक अलग से संचयित कर दिया जाए, ताकि निधि की निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शासी निकाय पर्याप्त निधियां संचयित करने में समर्थ हो सके :

   क. संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, में संलग्न कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं से संबंधित अध्ययन शुरू करना,

   ख. सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत का परिरक्षण एवं पुनर्वास

2. प्रत्येक पूर्व वर्ष के अंत से शुरू करके छह माह के समाप्त होने से पहले, इस तरह से संचयित या अलग से रखी गई राशि को धारा 11 की उपधारा (5) में विहित किसी एक या अधिक रूपों या विधियों में निवेश या जमा किया गया है।

3. ऐसी संचयित या अलग से रखी गई राशि के निवेश और उपयोग का विवरण, यदि कोई हो, के साथ निधि के वार्षिक लेखा की प्रतियों को प्रत्येक संगत वर्ष की समाप्ति के प्रारंभ से छह माह की अवधि बीतने से पहले आपको प्रस्तुत कर दी जाएगी।

4. यह अनुरोध है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11(2)/10(23ग)(iv) में निहित शर्तों को हमारे अनुपालन के मद्देनजर उक्त धारा का लाभ ऊपर यथा उल्लिखित संचयित या अलग से रखी गई राशि के संबंध में संस्थान की आय में छूट देकर निधि के मूल्यांकन में दिया जाए।

अजय यादव
सदस्य सचिव
नई दिल्ली

दिनांक :

10) तुलन पत्र

नाम : राष्ट्रीय संस्कृति निधि
दर्जा : न्यास/निवासी
मूल्यांकन वर्ष : 2022–23
पूर्व वर्ष : 31–03–2022
पैन : एएएटीएन4595एम
सर्कल : सर्कल–।।
निगमन की तिथि : 28.11.1996
बैंक/शाखा : केनरा बैंक, सरकारी कारोबार शाखा, जनपथ, नई दिल्ली
बैंक खाता : 3525101000627
मूल्यांकन योग्य आय का विवरण

राशि (रु. में)

वर्ष के दौरान सकल प्राप्ति					
आय एवं व्यय लेखा के अनुसार सकल प्राप्ति घटा: सकल प्राप्ति के 15 प्रतिशत की सीमा तक धारा 10(23ग)(iv) के तहत् छूट					24,061,074 3,609,161
कुल (क)					20,451,913
घटा: वर्ष के दौरान निधियों का अनुप्रयोग आय एवं व्यय लेखा के अनुसार कुल व्यय घटा : भुगतान की गई आयकर शास्ति घटा: आय एवं व्यय लेखा को प्रभारित ह्रास			6,849,321 215,467		
			6,633,854		
जोड़ : वर्ष के दौरान किया गया पूंजीगत व्यय			–		6,633,854
वर्ष का निबल शेष कर योग्य आय					13,818,059 13,818,059
		कुल आय			13,818,059
वित वर्ष केवल प्रशा. आय एवं दान भाग		19–20 में प्रयुक्त	20–21 में प्रयुक्त	21–22 में प्रयुक्त	अप्रयुक्त संचय
2019–20 का संचय	18505000	5725577	6633854	6145569	–
2020–21 का संचय	1175500	0	0	488285	687,215
2021–22 का संचय	1938598	0	0	0	1,938,598
				6633854	2,625,813
कुल आय पर कर जोड़ : 4 प्रतिशत की दर से ईसी एवं एसएचईसी कुल देय कर घटा : टीडीएस					– – – 2,691,573
शेष देय					(2,691,573)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

के

लेखाओं का विवरण

वर्ष 2021-2022 के लिए

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

कार्पस/पूंजीगत निधि तथा देयताएं	अनुसूची	31.03.2022	31.03.2021
कार्पस/पूंजीगत निधि	1	58,08,13,469	56,36,01,716
रिजर्व एवं अतिरेक	2	-	-
उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	3	27,38,88,484	18,12,22,798
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं और प्रावधान	7	39,20,975	34,10,939
कुल		**85,86,22,928**	**74,82,35,453**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	8	15,40,434	17,55,901
निवेश –उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि से	9	-	-
निवेश – अन्य	10	-	-
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	11	85,70,82,494	74,64,79,552
विविध खर्च (बट्टे खाते में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं की गई सीमा तक)		-	-
कुल		**85,86,22,928**	**74,82,35,453**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक देयताओं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25		

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

विपुल कुमार
(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	31.03.2022	31.03.2021
बिक्री/सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान /सहायिकी	13	-	5,00,500
शुल्क/अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (निधियों में नहीं अंतरित उद्दिष्ट निधियों से निवेश पर आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	2,21,22,476	2,85,52,514
अन्य आय	18	19,38,598	6,75,000
तैयार मामलों के भंडार में वृद्धि/(कमी) और प्रगति में कार्य	19	-	-
कुल (क)		**2,40,61,074**	**2,97,28,014**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	6,40,635	10,04,518
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	59,93,166	22,60,695
अनुदान, सहायिकी आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	53	2,120
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में निवल कुल योग – अनुसूची 8 के अनुरूप)		2,15,467	2,58,497
कुल (ख)		**68,49,321**	**35,25,830**
व्यय की तुलना में अधिक आय के कारण शेष (क – ख)		1,72,11,753	2,62,02,184
विशेष आरक्षित निधि में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य आरक्षित निधि को/से अंतरण		-	-
अधिक/कम शेष जो कार्पस/पूंजीगत निधि में ले जाया गया		1,72,11,753	2,62,02,184
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां	25	-	-

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

विपुल कुमार
(भागीदार)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(सदस्य सचिव)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – कार्पस/पूंजीगत निधि	31.03.2022		31.03.2021	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		56,36,01,716		53,73,99,532
जोड़ें – कार्पस/पूंजीगत निधि में अंशदान	-		-	
जोड़ें/(घटाएं) – आय और व्यय लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	1,72,11,753		2,62,02,184	
घटाएं : अलग संयुक्त बैंक खाते में अंतरित राशि		1,72,11,753		2,62,02,184
वर्ष के अंत में शेष		**58,08,13,469**		**56,36,01,716**

अनुसूची – 2 – रिजर्व एवं अतिरेक	चालू वर्ष		गत वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व :				
अंतिम लेखा के अनुसार	-		-	
वर्ष के दौरान जोड़	-		-	
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	निधि वार ब्यौरा		31.03.2022	31.03.2021
	निधि डब्ल्यू डब्ल्यू	निधि एक्स एक्स निधि वाई वाई		
क) निधि का आरंभिक शेष			18,12,22,798	18,21,88,106
ख) निधि में परिवर्धन				
i. दान/अनुदान			11,00,00,000	20,10,000
ii. निधियों में से किए गए निवेशों से आय			35,79,040	67,85,832
iii. अन्य परिवर्धन (स्वरूप का उल्लेख करें)			5,06,110	4,88,328
कुल (ख)			11,40,85,150	92,84,160
कुल (क+ख)			**29,53,07,948**	**19,14,72,266**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
– स्थायी परिसंपत्तियां				
– अन्य				
योग				
ii. राजस्व व्यय				
– वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि				
– किराया				
– अन्य प्रशासनिक व्यय			5,08,488	2,50,590
– परियोजना व्यय			2,09,10,976	99,98,878
योग			**2,14,19,464**	**1,02,49,468**
योग (ग)			2,14,19,464	1,02,49,468
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)			**27,38,88,484**	**18,12,22,798**

संलग्न अनुसूची के अनुसार

टिप्पणी :

1. अनुदानों से संबद्ध शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अधीन प्रकटन किया जाएगा।

2. केन्द्रीय/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना गत निधियां पृथक निधि के रूप में दर्शायी जाएगी और उन्हें किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया जाएगा।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर	हुमायूं का मकबरा परियोजना, दिल्ली	जंतर मंतर परियोजना, दिल्ली	ज्ञान प्रवाह परियोजना, कोलकाता	किष्किन्धा ट्रस्ट परियोजना
चालू वर्ष	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**1,44,572**	**23,132**	**8,94,833**	**-**	**65,013**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-		-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय					
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		631	12,988	-	1,907
प्राप्त मंच किराया	-	-	-		
कुल (ख)	**-**	**631**	**12,988**	**-**	**1,907**
कुल (क+ख)	**1,44,572**	**23,763**	**9,07,821**	**-**	**66,920**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-		-	
– परियोजना व्यय	-	-	-		
कुल	**-**				
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**		**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,44,572**	**23,763**	**9,07,821**	**-**	**66,920**
			-		
निधियों का योग	**1,44,572**	**23,763**	**9,07,821**	**-**	**66,920**
गत वर्ष	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**1,42,461**	**22,513**	**8,70,136**		**63,094**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-			-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय					
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,111	619	24,697	-	1,919
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)			-		-
प्राप्त मंच किराया		-	-		
कुल (ख)	**2,111**	**619**	**24,697**	-	**1,919**
कुल (क+ख)	**1,44,572**	**23,132**	**8,94,833**	-	**65,013**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	
– परियोजना व्यय	-	-	-	-	-
कुल	**-**	-	-	-	
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**		**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,44,572**	**23,132**	**8,94,833**	**-**	**65,013**
		-	-	-	-
निधियों का योग	**1,44,572**	**23,132**	**8,94,833**	**-**	**65,013**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	रमण महर्षि परियोजना भाग–1	शनिवार वाड़ा, पुणे परियोजना	राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना	डी. जी. जैसलमेर किला परियोजना	देवाहुति दामोदर स्वराज ट्रस्ट परियोजना
चालू वर्ष	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**-**	**18,83,151**	**6,56,130**	**5,44,27,404**	**40**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान		-	-		-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय				5,54,708	
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		51,363	12,578	97,521	-
प्राप्त मंच किराया		-			
कुल (ख)	**-**	**51,363**	**12,578**	**6,52,229**	**-**
कुल (क+ख)	**-**	**19,34,514**	**6,68,708**	**5,50,79,633**	**40**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय			692		
– परियोजना व्यय			6,63,000	-	-
कुल			**6,63,692**		**-**
कुल (ग)		**-**	**6,63,692**	**-**	**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**-**	**19,34,514**	**5,016**	**5,50,79,633**	**40**
निधियों का योग	**-**	**19,34,514**	**5,016**	**5,50,79,633**	**40**
गत वर्ष	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**1,144**	**19,32,694**	**6,40,178**	**5,33,90,797**	**40**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय				26,98,747	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	51,957	15,952	67,233	
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	
प्राप्त मंच किराया		-			
कुल (ख)		**51,957**	**15,952**	**27,65,980**	**-**
कुल (क+ख)	**1,144**	**19,84,651**	**6,56,130**	**5,61,56,777**	**40**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	1,144				
– परियोजना व्यय	-	**1,01,500**		17,29,373	-
कुल	**1,144**	**1,01,500**		**17,29,373**	**-**
कुल (ग)	**1,144**	**1,01,500**	**-**	**17,29,373**	
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**-**	**18,83,151**	**6,56,130**	**5,44,27,404**	**40**
		-	-	-	-
निधियों का योग	**-**	**18,83,151**	**6,56,130**	**5,44,27,404**	**40**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	लोधी मक़बरा परियोजना	लौरिया नंदनगढ़ परियोजना – बोकारो स्टील प्लान्ट	आलमबाज़ार मठ, कोलकाता परियोजना	हिडिम्बा देवी मंदिर परियोजना, मनाली	गोल गुंबद, बीजापुर–एस टी सी परियोजना
चालू वर्ष	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-		-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	2,81,064	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज		74,158	-	22,768	411
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**-**	**74,158**	**2,81,064**	**22,768**	**411**
कुल (क+ख)	**37,34,113**	**36,25,778**	**1,05,48,483**	**9,25,000**	**15,473**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-				
– परियोजना व्यय		-			
कुल	**-**	**-**	**-**		**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**		**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**37,34,113**	**36,25,778**	**1,05,48,483**	**9,25,000**	**15,473**
निधियों का योग	**37,34,113**	**36,25,778**	**1,05,48,483**	**9,25,000**	**15,473**
गत वर्ष	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**37,24,547**	**34,46,810**	**99,83,105**	**8,78,123**	**14,659**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	10,000	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय			2,74,314		
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	9,566	1,04,810	-	24,109	403
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**9,566**	**1,04,810**	**2,84,314**	**24,109**	**403**
कुल (क+ख)	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-				
– परियोजना व्यय		-			
कुल	**-**	**-**	**-**		**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**		**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**37,34,113** -	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**
निधियों का योग	**37,34,113**	**35,51,620**	**1,02,67,419**	**9,02,232**	**15,062**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	वज़ीरपुर का गुंबद – पी ई सी परियोजना	तुगलकाबाद किला परियोजना	हम्पी फाउंडेशन परियोजना	इंडियन ऑयल फाउंडेशन परियोजना	किशोरी अमोनकर पर वृत्तचित्र परियोजना
चालू वर्ष	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-		-	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	4,673	-	10,063	42,302	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**4,673**	**-**	**10,063**	**42,302**	**-**
कुल (क+ख)	**1,76,039**	**1,18,031**	**3,41,776**	**15,93,233**	**14,213**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-
– परियोजना व्यय			-	-	-
कुल	**-**		**-**	**-**	**-**
कुल (ग)	**-**		**-**	**-**	
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,76,039**	**1,18,031**	**3,41,776**	**15,93,233**	**14,213**
निधियों का योग	**1,76,039**	**1,18,031**	**3,41,776**	**15,93,233**	**14,213**
गत वर्ष	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**1,66,784**	**1,18,031**	**3,21,779**	**15,09,457**	**14,213**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-		
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय					-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	4,582	-	9,934	41,474	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**4,582**	**-**	**9,934**	**41,474**	**-**
कुल (क+ख)	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-
– परियोजना व्यय			-		-
कुल	**-**		**-**		**-**
कुल (ग)	**-**		**-**		
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**
निधियों का योग	**1,71,366**	**1,18,031**	**3,31,713**	**15,50,931**	**14,213**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	हज़ारद्वारी, मुर्शिदाबाद परियोजना	नौरस न्यास परियोजना	एन सी एफ – एन टी पी सी परियोजना	श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म की परियोजना	ओ एन जी सी – राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना
चालू वर्ष	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**13,26,756**	**16,93,454**	**9,09,307**	**18,78,234**	-
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	57,708	1,00,287	23,899	1,28,422	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**57,708**	**1,00,287**	**23,899**	**1,28,422**	-
कुल (क+ख)	**13,84,464**	**17,93,741**	**9,33,206**	**20,06,656**	-
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	
– परियोजना व्यय	-				
कुल	**649**	**649**	**649**	**649**	
कुल (ग)	**649**	**649**	**649**	**649**	
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**13,83,815**	**17,93,092**	**9,32,557**	**20,06,007**	
निधियों का योग	**13,83,815**	**17,93,092**	**9,32,557**	**20,06,007**	-
गत वर्ष	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**12,56,706**	**16,00,301**	**20,95,383**	**18,77,276**	**531**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	70,699	93,802	2,65,142	1,607	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-	-		-	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**70,699**	**93,802**	**2,65,142**	**1,607**	-
कुल (क+ख)	**13,27,405**	**16,94,103**	**23,60,525**	**18,78,883**	**531**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	531
– परियोजना व्यय	-		14,50,569		-
कुल	**649**	**649**	**14,51,218**	**649**	**531**
कुल (ग)	**649**	**649**	**14,51,218**	**649**	**531**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**13,26,756**	**16,93,454**	**9,09,307**	**18,78,234**	-
निधियों का योग	**13,26,756**	**16,93,454**	**9,09,307**	**18,78,234**	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	रीच प्रतिष्ठान परियोजना	एम एस आर वी एम पुराना पुष्कर परियोजना	एस सी आई महाबलीपुरम् परियोजना	अहोम स्मारक परियोजना	इंडिया फोटो अभिलेख प्रतिष्ठान परियोजना
चालू वर्ष	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**4,91,153**	**48,577**	**4,85,041**	**2,22,35,415**	**85,352**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-	9,911	1,80,195	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**-**	**-**	**9,911**	**1,80,195**	
कुल (क+ख)	**4,91,153**	**48,577**	**4,94,952**	**2,24,15,610**	**85,352**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649		945
– परियोजना व्यय	-	-	-		-
कुल	**649**	**649**	**649**		**945**
कुल (ग)	**649**	**649**	**649**		**945**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**4,90,504**	**47,928**	**4,94,303**	**2,24,15,610**	**84,407**
निधियों का योग	**4,90,504**	**47,928**	**4,94,303**	**2,24,15,610**	**84,407**
गत वर्ष	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**4,91,802**	**49,226**	**4,62,643**	**2,15,04,183**	**84,447**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-	23,047	7,31,881	
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	1,554
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**-**	**-**	**23,047**	**7,31,881**	**1,554**
कुल (क+ख)	**4,91,802**	**49,226**	**4,85,690**	**2,22,36,064**	**86,001**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	649	649	649	649	649
– परियोजना व्यय	-	-	-		-
कुल	**649**	**649**	**649**	**649**	**649**
कुल (ग)	**649**	**649**	**649**	**649**	**649**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**4,91,153**	**48,577**	**4,85,041**	**2,22,35,415**	**85,352**
निधियों का योग	**4,91,153**	**48,577**	**4,85,041**	**2,22,35,415**	**85,352**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	एन टी पी सी नागरिक सेवा मंडल परियोजना	वी सी एफ आर ई सी परियोजना	हुडको सुंदरवाला परियोजना	एन सी एफ एन टी पी सी जंतर मंतर परियोजना	श्रीमती उत्तरादेवी न्यास परियोजना
चालू वर्ष	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**4,35,476**	**78,734**	**5,02,175**	**79,627**	**22,28,929**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	21,044	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	1,110	3,521	-
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**-**	**-**	**22,154**	**3,521**	**-**
कुल (क+ख)	**4,35,476**	**78,734**	**5,24,329**	**83,148**	**22,28,929**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय		649	649	-	649
– परियोजना व्यय				-	20,00,000
कुल		**649**	**649**	**-**	**20,00,649**
कुल (ग)		**649**	**649**	**-**	**20,00,649**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**4,35,476**	**78,085**	**5,23,680**	**83,148**	**2,28,280**
निधियों का योग	**4,35,476**	**78,085**	**5,23,680**	**83,148**	**2,28,280**
गत वर्ष	**31**	**32**	**33**	**34**	**35**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**4,35,536**	**3,20,210**	**4,66,615**	**78,747**	**2,29,578**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	20,00,000
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	-	35,935		
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	278	880	-
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-				
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**-**	**-**	**36,213**	**880**	**20,00,000**
कुल (क+ख)	**4,35,536**	**3,20,210**	**5,02,828**	**79,627**	**22,29,578**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	60	2,41,476	653		649
– परियोजना व्यय		-			
कुल	**60**	**2,41,476**	**653**		**649**
कुल (ग)	**60**	**2,41,476**	**653**		**649**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**4,35,476**	**78,734**	**5,02,175**	**79,627**	**22,28,929**
निधियों का योग	**4,35,476**	**78,734**	**5,02,175**	**79,627**	**22,28,929**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना	एन सी एफ भेल एस एस एस परियोजना	एन सी एफ ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना	एन सी एफ सोनी इंडिया लि. परियोजना	एन सी एफ – आई एफ सी एल परियोजना
चालू वर्ष	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**21,15,578**	**35,03,284**	**12,66,746**	**21,68,466**	**5,60,04,096**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान		-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	1,65,395	-	39,858	19,59,303
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	59,319		37,137		
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**59,319**	**1,65,395**	**37,137**	**39,858**	**19,59,303**
कुल (क+ख)	**21,74,897**	**36,68,679**	**13,03,883**	**22,08,324**	**5,79,63,399**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		-
– परियोजना व्यय				12,93,666	74,54,310
कुल	**-**	**-**	**-**	**12,93,666**	**74,54,310**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**12,93,666**	**74,54,310**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**21,74,897**	**36,68,679**	**13,03,883**	**9,14,658**	**5,05,09,089**
निधियों का योग	**21,74,897**	**36,68,679**	**13,03,883**	**9,14,658**	**5,05,09,089**
गत वर्ष	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**20,53,143**	**34,80,334**	**12,29,362**	**62,05,021**	**5,60,93,977**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान		-	-		
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय				3,04,646	22,86,012
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	62,435	22,950	37,384	293	285
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)					
प्राप्त मंच किराया					
कुल (ख)	**62,435**	**22,950**	**37,384**	**3,04,939**	**22,86,297**
कुल (क+ख)	**21,15,578**	**35,03,284**	**12,66,746**	**65,09,960**	**5,83,80,274**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय				236	-
– परियोजना व्यय				43,41,258	23,76,178
कुल				**43,41,494**	**23,76,178**
कुल (ग)				**43,41,494**	**23,76,178**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**21,15,578**	**35,03,284**	**12,66,746**	**21,68,466**	**5,60,04,096**
निधियों का योग	**21,15,578**	**35,03,284**	**12,66,746**	**21,68,466**	**5,60,04,096**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–3 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

निधि–वार ब्यौरा
(राशि रुपयों में)
कुल

	एन बी सी सी इंडिया परियोजना	परियोजना वोंग संगठन	परियोजना आत्मभारत डिजाइन केंद्र का विकास ,लाल किला	परियोजना बटेश्वर मंदिर, मुरैना म.प्र.	कुल
चालू वर्ष	41	42	43		
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**7,62,236**	**41,73,187**	-		**18,12,22,798.00**
ख. निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान			10,00,00,000	1,00,00,000	**11,00,00,000.00**
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	-	57,246			**35,79,040.00**
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	52,266			21,394	**5,06,110.00**
प्राप्त मंच किराया	-				-
कुल (ख)	52,266	57,246	10,00,00,000	1,00,21,394	**11,40,85,150.00**
कुल (क+ख)	**8,14,502**	**42,30,433**	10,00,00,000	**1,00,21,394**	**29,53,07,948.00**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय			-	5,00,361	**5,08,488.00**
– परियोजना व्यय	-		-	95,00,000	**2,09,10,976.00**
कुल				**1,00,00,361**	**2,14,19,464.00**
कुल (ग)			-	**1,00,00,361**	**2,14,19,464.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**8,14,502**	**42,30,433**	**10,00,00,000**	**21,033**	**27,38,88,484.00**
					-
निधियों का योग	**8,14,502**	**42,30,433**	**10,00,00,000**	**21,033**	**27,38,88,484.00**
गत वर्ष	**41**	**40**			
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**7,59,333**	**41,73,187**			**18,21,88,106.00**
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान					**20,10,000**
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय		-			**67,85,832.00**
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	2,903				**4,88,328.00**
टिकटों की बिक्री (प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शन)	-				-
प्राप्त मंच किराया	-				-
कुल (ख)	2,903				**92,84,160.00**
					-
कुल (क+ख)	**7,62,236**	**41,73,187**			**19,14,72,266.00**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय					
– अन्य प्रशासनिक व्यय					**2,50,590.00**
– परियोजना व्यय	-				**99,98,878.00**
कुल					**1,02,49,468.00**
					-
कुल (ग)					1,02,49,468
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**7,62,236**	**41,73,187**			**18,12,22,798.00**
					-
निधियों का योग	**7,62,236**	**41,73,187**			**18,12,22,798.00**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि				
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां				
				(राशि रुपयों में)
अनुसूची –4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	31.03.2022		31.03.2021	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)		-		-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-		-	
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		-		-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र		-		-
7. अन्य (उल्लेख करें)		-		-
कुल		-		-
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

राष्ट्रीय संस्कृति निधि		
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां		
		(राशि रुपयों में)
अनुसूची – 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	**31.03.2022**	**31.03.2021**
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर एवं बंध पत्र	-	-
7. नियत जमाएं	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**
अनुसूची – 6 – आस्थगित ऋण देयताएं	**चालू वर्ष**	**पूर्व वर्ष**
क) पूंजी के गिरवी द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

	31.03.2022		31.03.2021	
अनुसूची–7 – चालू देयताएं एवं प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. विविध ऋणदाता				
क) माल एवं सेवा के लिए	-	7,12,533		7,13,333
2. प्राप्त अग्रिम राशियां		4,62,051		4,62,051
3. सांविधिक देयताएं				
क) अन्य : जीएसटी देय परियोजनाएं		-		10,612
ख) अन्य : जीएसटी		7,410		2,542
ग) अन्य : टीडीएस देय		9,605		3,075
4. अन्य चालू देयताएं : अग्रिम धन				
: परियोजना को वापसी योग्य राशि	13,30,330		13,30,330	
: संदेय व्यय	6,57,290		1,47,240	
: राष्ट्रीय संग्रहालय को संदेय	7,42,475		7,42,475	
: संस्कृति मंत्रालय को संदेय	(719)	27,29,376	(719)	22,19,326
कुल (क)		**39,20,975**		**34,10,939**
ख. प्रावधान				
1. कराधान के लिए				-
कुल (ख)				**-**
कुल (क + ख)		**39,20,975**		**34,10,939**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	मूल्यह्रास दर	सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
		वर्ष के आरंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक योग	चालू वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1 एयर कंडीशनर	15%	57,500	-	-	57,500	57,056	67	-	57,123	377	444
2 वाल्टेज स्टैब्लाइजर	15%	4,800	-	-	4,800	4,763	6	-	4,769	31	37
3 रेफ्रिजरेटर	15%	44,123		-	44,123	21,291	3,425	-	24,716	19,407	22,832
			-								
4 फर्नीचर मदें	10%	31,40,572			31,40,572	17,01,653	1,43,892	-	18,45,545	12,95,027	14,38,919
			-								
5 फोटो कॉपियर	15%	6,89,612	-	-	6,89,612	6,11,924	11,653	-	6,23,577	66,035	77,688
6 फैक्स मशीन	15%	35,900	-	-	35,900	31,538	654	-	32,192	3,708	4,362
			-								
7 कम्प्यूटर हार्डवेयर	40%	12,46,424	-	-	12,46,424	11,55,362	36,425	-	11,91,787	54,637	91,062
8 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	47,730	-	-	47,730	42,686	2,018	-	44,704	3,026	5,044
9 कार्यालय उपकरण	15%	1,46,487	-		1,46,487	30,974	17,327		48,301	98,186	1,15,513
चालू वर्ष का योग		54,13,148	-	-	54,13,148	36,57,247	2,15,467	-	38,72,714	15,40,434	17,55,901
गत वर्ष		53,62,961	50,187	-	54,13,148	33,98,750	2,58,497	-	36,57,247	17,55,901	19,64,211

(उपर्युक्त में शामिल भाड़ा – खरीद आधार पर परिसम्पत्तियों की लागत के बारे में दी जाने वाली टिप्पणी)

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निर्धारित लेखाकरण के नए लेखांकन फार्मेट की अपेक्षा का पालन करने के लिए स्थायी परिसंपत्तियों के समूहीकरण में परिवर्तन किया गया है।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश	31.03.2022	31.03.2021
1 सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3 शेयर	-	-
4 डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5 सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6 अन्य (विशिष्ट परियोजनाएं एफडीआर)		
परियोजना ज्ञान प्रवाह – एफडीआर	-	-
परियोजना चौ. चरण सिंह जन्म शताब्दी – एफडीआर	-	-
परियोजना डी जी जैसलमेर – एफडीआर	-	-
कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रु. में)

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	31.03.2022	31.03.2021
1 सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3 शेयर	-	-
4 डिबेंचर एवं बॉण्ड	-	-
5 सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6 अन्य (उल्लेख किया जाए)	-	-
कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम धन आदि	31.03.2022		31.03.2021	
क. चालू परिसंपत्तियां				
1 विविध ऋणदाता				
क. छह मास से अधिक अवधि से बकाया ऋण	3,91,369		3,91,369	
ख. अन्य	-	3,91,369	-	3,91,369
2 हाथ रोकड़ शेष (चेक, ड्राफ्ट तथा अग्रदाय सहित) – अनुबंध–1 संलग्न	121	121	18,142	18,142
3 बैंक में शेष राशि :				
क. अनुसूचित बैंकों में :				
– जमा खाते में (मार्जिन राशि भी शामिल है) अनुबंध–1 संलग्न	64,84,79,040		63,98,04,540	
– बचत खाते में अनुबंध–1 संलग्न	16,28,79,449	81,13,58,489	6,20,57,587	70,18,62,127
कुल (क) – विवरण संलग्न अनुबंध के अनुसार		**81,17,49,979**		**70,22,71,638**
ख. ऋण अग्रिम धन और अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण				
ग) अन्य			-	-
2. अग्रिम धन और अन्य रकमें जो नकदी में या वस्तु रूप में या प्राप्तव्य मूल्य पर वसूलनीय है।				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य – महानिदेशक (ए एस आई)	1,15,19,603	1,15,19,603	1,15,19,603	1,15,19,603
3. प्रोद्भूत आय				
क) उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश पर	-		-	
ख) निवेशों पर – अन्य	70,95,052		67,52,871	
ग) अन्य	23,73,320	94,68,372	42,82,472	1,10,35,343
4. प्राप्य दावे/टी डी एस वसूली योग्य : एन सी एफ निवेशों पर	1,64,22,486		1,42,85,355	
परियोजनाओं पर	79,22,054	2,43,44,540	73,67,613	2,16,52,968
कुल (ख)		**4,53,32,515**		**4,42,07,914**
कुल (क + ख)		**85,70,82,494**		**74,64,79,552**

अनुसूची 11–क का अनुबंध–1

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अंतिम शेष		(रुपये में) 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार		(रुपये में) 31.03.2021 की स्थिति के अनुसार	
रोकड़ शेष					
1 एन सी एफ – अग्रदाय		121	**121**	18,142	**18,142**
विशिष्ट परियोजनाएं					
कुल 1			**121**		**18,142**
बैंक शेष					
2 अनुसूचित बैंकों के बैंक शेष					
क) चालू खातों पर				-	
ख) मार्जिन राशि सहित जमा लेखा में					
एन सी एफ मुख्यालय					
पीएनबी बैंक, नई दिल्ली		2,31,01,512		17,34,25,956	
केनरा बैंक		49,55,63,608		33,35,88,342	
विशिष्ट परियोजनाएं					
सावधि जमा – परियोजनाएं		12,98,13,920		13,27,90,242	
			64,84,79,040		63,98,04,540
ग) बचत खाते में					
एन सी एफ मुख्यालय					
एन सी एफ, एल टी पी खाता सं. 1231		65,704		63,769	
आई डी एफ सी बैंक खाता सं. 7884		-		5,51,390	
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		65,15,466		63,42,477	
आई डी बी आई बैंक – खाता सं. 0055				42,75,893	
केनरा बैंक खाता सं. 627		2,25,19,089	2,91,00,259	1,40,30,975	2,52,64,504
विशिष्ट परियोजनाएं					
हुमायूं का मक़बरा परियोजना		23,763		23,132	
जैसलमेर किला परियोजना – बैंक		39,61,316		14,09,907	
जंतर मंतर परियोजना		9,04,062		8,91,947	
किष्किन्धा न्यास परियोजना		66,920		65,013	
राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना		5,016		6,56,130	
शनिवारवाड़ा परियोजना		19,34,514		18,83,151	
आलमबाज़ार मठ परियोजना		1,05,48,483		1,02,67,419	
गोल गुम्बज़ परियोजना		15,473		15,062	
हिडिम्बा मंदिर परियोजना, मनाली		9,25,000		9,02,232	
वज़ीरपुर का गुम्बज़ परियोजना		1,76,039		1,71,366	
इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान परियोजना		15,93,233		15,50,931	
हम्पी प्रतिष्ठान परियोजना		3,41,776		3,31,713	
लोधी मकबरा परियोजना		37,34,113		37,34,113	
एन बी सी सी परियोजना – भारत एसबीआई बैंक		1,01,403		1,08,572	
हज़ारद्वारी मुर्शिदाबाद परियोजना		95,600		96,248	
भारतीय फोटो अभिलेख परियोजना		50,020		50,669	
नौरस न्यास परियोजना		46,612		47,262	
एन सी एफ परियोजना – एन टी पी सी		29,434		30,033	
श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म परियोजना		95,597		96,246	
ओ एन जी सी रीच प्रतिष्ठान परियोजना				17,370	
एम एस आर वी एम (पुराना) पुष्कर परियोजना				48,485	
ओ एन जी सी अहोम स्मारक परियोजना		15,565		16,164	
एस सी आई महाबलीपुरम् परियोजना		68,456		69,105	
लौरिया नंदनगढ़ बोकारो परियोजना				35,51,620	
नागरिक सेवा मंडल परियोजना		4,35,476		4,35,476	
उत्तरादेवी चैरिटेबल परियोजना		19,154		20,19,753	
एस टी सी जंतर मंतर परियोजना		30,647		29,774	
हुडको क्राफ्ट सुंदरवाला परियोजना		36,255		36,854	
भेल एस एस एस परियोजना		6,33,233		4,83,079	
एन सी एफ नवेली लिग्नाइट परियोजना		20,81,401		20,22,082	
आर ई सी परियोजना		17,762		18,361	
आई एफ सी एल परियोजना		280		353	
सोनी इंडिया लिमिटेड परियोजना		3,546		682	
जैसलमेर (नई) परियोजना		1,17,538		1,17,538	
ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना		13,03,883		12,66,746	
हुडको क्राफ्ट प्रशिक्षण परियोजना		11,806		10,596	
परियोजना वोंग		4,99,982		41,73,187	
परियोजना–इंफोसिस प्रतिष्ठान बातेश्वर मंदिर		21,033		-	
परियोजना–आईजीएनसीए		10,00,00,000		-	
परियोजना नगदी एवं गैर दायित्व जमाएं		38,34,799	13,37,79,190	1,44,712	3,67,93,083
कुल 2			**81,13,58,489**		**70,18,62,127**
महायोग 1 + 2			**81,13,58,610**		**70,18,62,127**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2022	31.03.2021
अनुसूची 12 – बिक्री/सेवाओं से आय		
1 **बिक्री से आय**		
क. तैयार माल की बिक्री	-	-
ख. कच्चा माल की बिक्री	-	-
ग. स्क्रैप की बिक्री	-	-
2 **सेवाओं से आय**		
क. श्रम एवं प्रसंस्करण प्रभार	-	-
ख. व्यावसायिक एवं परामर्शी सेवाएं	-	-
ग. एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ. अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-
ङ. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	

अनुसूची 13 – अनुदान/सहायिकी	31.03.2022	31.03.2021
(प्राप्त अटल अनुदान/सहायिकी)		
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. सरकारी एजेंसियां	-	-
4. संस्थान/कल्याणकारी निकाय	-	-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य : अनुदान		5,00,500
कुल		**5,00,500**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची–14	शुल्क/अंशदान			31.03.2022	31.03.2021
	1. प्रवेश शुल्क			-	-
	2. वार्षिक शुल्क/अंशदान			-	-
	3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क			-	-
	4. परामर्शी शुल्क			-	-
	5. अन्य (उल्लेख करें)			-	-
	कुल			-	-

		उद्दिष्ट से निवेश		निवेश अन्य	
अनुसूची–15	निवेशों से आय	31.03.2022	31.03.2021	31.03.2022	31.03.2021
1	ब्याज				
	क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
	ख) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर	-	-	-	-
2.	लाभांश				
	क) शेयरों पर	-	-	-	-
	ख) म्युचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3	किराया	-	-	-	-
4	अन्य – परियोजनाओं से संबंधित नियत जमाएं	-	-	-	-
	घटा : उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित		-		-
	कुल उद्दिष्ट/वृत्तदान निधि को हस्तांतरित	-	-	-	-

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	31.03.2022	31.03.2021
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	31.03.2022	31.03.2021
1. सावधि जमाओं पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	2,13,71,293	2,75,54,870
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) अन्य		
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	7,51,183	9,97,644
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खातें पर		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
ख) अन्य		
4. ऋणियों और अन्य प्राप्यों पर ब्याज		
कुल	**2,21,22,476**	**2,85,52,514**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	31.03.2022	31.03.2021
1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) मालिकाना संपत्तियां	-	-
ख) अनुदानों से अर्जित या निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
2. उगाही की गई निर्यात प्रोत्साहन	-	-
3. प्रशासनिक संवाओं के लिए शुल्क	19,38,598	6,75,000
4. विविध आय		
कुल	**19,38,598**	**6,75,000**

अनुसूची 19 – तैयार मालों के भंडार और चल रहे कार्य में वृद्धि/(कमी)	31.03.2022	31.03.2021
क) अंतिम भंडार		
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य	-	-
ख) घटा : अंतिम भंडार	-	-
– तैयार माल	-	-
– चल रहा कार्य		
निबल वृद्धि/(कमी) (क–ख)	-	-

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	31.03.2022	31.03.2021
क) वेतन एवं मजदूरी	5,82,706	9,06,388
ख) भत्ते एवं बोनस	57,929	98,130
ग) भविष्य निधि में अंशदान	-	-
घ) अन्य निधि में अंशदान (उल्लेख करें)	-	-
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ पर खर्च	-	-
छ) अन्य : मानदेय	-	-
कुल	**6,40,635**	**10,04,518**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय	31.03.2022	31.03.2021
क. मरम्मत तथा अनुरक्षण, कम्प्यूटर अनुरक्षण	50,565	34,933
ख. डाक खर्च, टेलीफोन, संचार	47,088	55,485
ग. मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,37,387	1,23,758
घ. यात्रा एवं परिवहन खर्चे	8,07,165	9,76,373
ङ व्यावसायिक प्रभार	3,44,970	2,83,200
च. कार्यालय खर्चे	36,305	24,400
छ. अनुवाद खर्चे	18,269	18,708
ज. संविदात्मक स्टाफ	42,30,095	6,43,838
झ. लेखा परीक्षा शुल्क	1,28,600	1,00,000
ञ. वेबसाईट अनुरक्षण खर्चे	1,92,722	-
कुल	**59,93,166**	**22,60,695**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय लेखा में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपए में)

	31.03.2022	31.03.2021
अनुसूची 22 – अनुदान, सहायिकियों आदि व्यय		
	-	
क. अखिल भारतीय इतिहास संस्थान को दिया गया परियोजना अनुदान	-	
नालंदा, एएसआई स्थल के लिए एस्ट्रो लिंक को दिया गया अनुदान		
ख. संस्थाओं/संगठनों को दी गई सहायिकियां	-	-
कुल	**-**	**-**

	31.03.2022	31.03.2021
अनुसूची 23 – ब्याज		
क. बैंक प्रभार		254
ख. टी डी एस/आय कर पर शास्तियां / अपील शुल्क	53	1,866
कुल	53	2,120

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2022 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	31.03.2022	31.03.2021	भुगतान	31.03.2021	31.03.2021
I. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क) हाथ रोकड़	18,142	10,342	क) स्थापना व्यय	6,09,881	10,04,518
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	55,13,884	22,49,647
i) जमा खातों में	63,98,04,540	60,63,79,544			
ii) बचत खातों में	6,20,57,587	7,07,25,190	II. निधियों में से किए भुगतान		
			अनुदान संबंधी व्यय	-	-
IV. प्राप्त ब्याज			उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	2,14,19,464	1,02,49,468
क. बैंक जमा राशियों पर	2,09,97,875	2,78,61,473			
			IV. स्थायी परिसंपत्तियों तथा सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय		
V. अन्य आय (विशिष्ट उल्लेख करें)			क) स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	-	50,187
दान/अनुदान	-	5,00,500			
			V. अधिशेष (सरप्लस) धन/ऋणों की वापसी		
VI. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			क) भारत सरकार को	-	-
क. उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि					
निधियों में परिवर्धन	11,40,85,150	92,84,160	VI. वित्त प्रभार (ब्याज)	53	2,120
ख. विविध आय	19,38,598	6,75,000			
			VIII. अन्य भुगतान (उल्लेख करें)		
			कर देय		
			भारत की निधि		
			जे पॉल गुट्टी		
			निरलोन प्रतिष्ठान न्यास		
			लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम		
			क) हाथ में रोकड़	121	18,142
			ख) बैंक शेष		
			i) जमा खातों में	64,84,79,040	63,98,04,540
			ii) बचत खातों में	16,28,79,449	6,20,57,587
कुल	83,89,01,892	71,54,36,209	कुल	83,89,01,892	71,54,36,209

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

विपुल कुमार (भागीदार)
एम. एन. : 094803
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

-
(सदस्य सचिव)

11) अनुसूची 24 एवं 25

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

अनुसूची 24 एवं 25

तुलन पत्र और आय व व्यय लेखाओं के अभिन्न भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं संबंधी टिप्पणियां

क) उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन परंपरा

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत परंपरा एवं अन्य अनिवार्य लेखा मानदंडों के तहत् तैयार किया गया है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

क) स्थायी परिसंपत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर अर्जन की लागत पर दर्शाया गया है।

ख) स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत निर्धारित दरों के अनुसार लिखित मूल्य विधि आधार पर प्रदान किया गया है।

ग) वर्ष के दौरान नियत संपत्ति में जोड़/से कटौती के संबंध में ह्रास पर समानुपातिक आधार पर विचार किया गया है।

3. लेखांकन पद्धति

न्यास अपने खातों को रोकड़ आधार पर रखता था, किन्तु केन्द्रीय स्वायत्त निकायों हेतु अपेक्षाओं का अनुपालन करने के लिए न्यास ने वित्त वर्ष 2001–02 के बाद से लेखांकन पद्धति के रोकड़ आधार को बदलकर प्रोद्भवन आधार को अपना लिया है।

4. राजस्व मान्यता

क) न्यास लेखांकन के प्रोद्भवन प्रणाली का अनुपालन कर रहा है और सभी राजस्वों को तब मान्यता दी जाती है, जब वह प्राप्ति के लिए देय हो जाता है तथा सभी व्ययों को तभी समाकलित किया जाता है जैसे ही वे भुगतान के लिए देय हो जाते हैं।

ख) विशिष्ट परियोजनाओं से आय/हानि को संबंधित परियोजना पूर्ण होने के वर्ष में मान्यता दी जाएगी।

5. निवेश

न्यास के पास लेखाओं के समरूप फॉर्मेट में विहित प्रकृति का कोई निवेश नहीं है (अनुसूची 9 एवं अनुसूची 10)

ख) आकस्मिक देयताएं

आकस्मिक देयताओं को लेखा–बहियों में नहीं दिया गया है, किन्तु उन्हें लेखा–नोट्स के रूप में प्रकट किया गया है।

ग) लेखाओं पर टिप्पणी

1. अनुसूची 1 में दी गई कॉर्पस/पूंजीगत निधि में दो भाग हैं यथा–प्राथमिक कॉर्पस एवं द्वितीयक कॉर्पस। विवरण निम्नानुसार है :–

विवरण	प्राथमिक कॉर्पस (राशि रूपये में)	द्वितीयक कॉर्पस (राशि रूपये में)	कुल कॉर्पस
प्रारंभिक शेष	19,50,00,100.00	36,86,01,615.68	56,36,01,715.68
जोड़ – वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखा से अंतरित आधिक्य	शून्य	1,72,11,753.00	1,72,11,753.00
	19,50,00,100.00	38,58,13,368.68	58,08,13,468.68

2. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 क के तहत् छूट प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

3. दिनांक 28.11.1996 की भारत का राजपत्र अधिसूचना के पैरा 15 के अनुसार, एनसीएफ को तुरंत अपेक्षित नहीं निधि की राशि को अल्पकालिक आधार पर सावधि जमाओं/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमाणपत्रों में जमा करना होता है। तदनुसार, इन सावधि जमाओं को न्यास द्वारा ''बैंक शेषों–जमा खाते'' के अंतर्गत अनुसूची 11 में दर्शाए गए हैं।

4. लेखा वर्ष 2016–17 के लिए आयकर विभाग द्वारा रु. 2.70 करोड़ का मांग उठाया गया है, जिसके खिलाफ एनसीएफ ने जनवरी–2019 में कमिश्नर अपील के पास अपील की है।

5. जहां पर आवश्यक हुआ है वहां पर पिछले वर्ष के संगत आंकड़ों को पुनः समूहित/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

6. अनुसूची 1 से 25, 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और यथातिथि पर समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न हैं।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लिए
और की ओर से

(भागीदार)

(सदस्य सचिव)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक :

चरईदेव मैडम, अहोम स्मारक

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

—संस्कृति मंत्रालय—

(भारत सरकार)

5वी मंजिल, पुरातत्व भवन, डी ब्लॉक, जी पी ओ परिसर, आई एन ए, नई दिल्ली – 110032

फोन: 011–24656248, 24656251, ईमेल: ncfunesco-culture@gov.in